विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, मंगलवार, 17 जून 2025 | वर्ष- 10 | अंक- 183 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

ज्ञानामृत

जिस मनुष्य में आत्मविश्वास नहीं है, वह शक्तिमान होकर भी कायर है और पंडित होकर भी मूर्ख है।

▶▶ रामप्रताप

न्यूज इन शॉर्ट

तुर्किये बोला- अहमदाबाद हादसे में हमारी कंपनी का लेना-देना नहीं

अहमदाबाद, एजेंसी। तुर्किये ने रविवार को अहमदाबाद प्लेम क्रैश में टर्किश टेक्निक कंपनी पर लगाए आरोप को नकार दिया। तुर्किये सरकार ने कहा कि कंपनी बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान का मेंटेनेंस नहीं करती है। तुर्किये के

डायरेक्टरेट ऑफ कम्युनिकेशन सेंटर फॉर काउंटरिंग डिसइन्फॉर्मेशन ने कहा, 'यह दावा बिल्कुल गलत है कि हमारे देश की कंपनी ने क्रैश प्लेन का मेंटेनेंस किया था। भारत-तुर्किये के संबंधों को खराब करने के लिए झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है।' दरअसल, 14 जून को बाबा रामदेव ने कहा था- मुझे ये पता चला है कि तुर्किये की एक एजेंसी विमानों में मेंटेनेंस का काम करती है। कहीं तुर्किये ने तो इसके जरिए दुश्मनी तो नहीं निकाली। उधर विपक्ष भी इस हादसे पर साजिश की आशंका जता रहा है।

ड्रीमलाइनर विमान में खराबी, उड़ान भरने के एक घंटे बाद ही वापस लौटा

नई दिल्ली, एजेंसी। हांगकांग से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई 315 को बीच उड़ान में ही तकनीकी समस्या का संदेह होने के बाद वापस अपने मूल स्थान पर लौटना पड़ा। बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर की ओर से

संचालित यह फ्लाइट एआई 315 हांगकांग से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान का इस्तेमाल भारत में एअर इंडिया की तरफ से किया जा रहा है। 12 जून को गुजरात के अहमदाबाद में ऐसा ही एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दौरान विमान में सवार 242 लोगों में 241 लोगों की मौत हो गई थी। विमान सेवा कंपनी ने एक बयान में कहा कि विमान संख्या एआई 315 हांगकांग में सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्री विमान से उतर गए हैं। साथ ही कहा कि विमान का निरीक्षण किया जा रहा है।

डीआरडीओ ने फ्री-स्पेस क्वांटम सिक्योर का किया सफल प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। क्वांटम टेक्नोलॉजी में भारत ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। डीआरडीओ ने आईआईटी दिल्ली में फ्री-स्पेस क्वांटम सिक्योर कम्युनिकेशन का सफल प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन करके भारत एक नए

क्वांटम युग में प्रवेश किया है। आईआईटी दिल्ली कैंपस में स्थापित एक फ्री-स्पेस ऑप्टिकल लिंक के जरिए 1 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर क्वांटम एंटैंगलमेंट का उपयोग करके फ्री-स्पेस क्वांटम सुरक्षित संचार प्राप्त किया गया। टेस्ट के दौरान लगभग 240 बिट प्रति सेकेंड की रेट से सुरक्षित कुंजी का आदान-प्रदान हुआ, जबकि क्वांटम बिट एरर रेट 7 फीसदी से भी कम रही। यह तकनीक आने वाले समय में क्वांटम साइबर सुरक्षा, लंबी दूरी की क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन, क्वांटम नेटवर्क और भविष्य के क्वांटम इंटरनेट जैसे क्षेत्रों में क्रांति ला सकती है।

पाकिस्तानी नागरिक आजाद मलिक पर ईडी ने कंसा शिकंजा

कोलकाता, एजेंसी। ईडी ने पाकिस्तानी नागरिक आजाद मलिक उर्फ अहमद हुसैन अजाद उर्फ अजाद हुसैन के खिलाफ कोलकाता की विशेष पीएमएलए अदालत में चार्जशीट दायर की है। कोर्ट ने आरोपी को नोटिस जारी कर

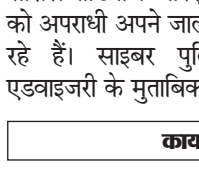

सुनवाई की अगली तारीख तय की है। ईडी की यह जांच पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 14 और 14 के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू हुई थी। 15 अप्रैल 2025 को हुई तलाशी में मलिक भारत में बिना वैध दस्तावेजों के रहते हुए पाया गया। जांच में पाया गया कि वो पाकिस्तानी मूल के नागरीकों का अवैध तरीके से भारतीय पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज बनवाने के गिरोह का सरगना था और इसकी एवज में मोटी रकम वसूल करता था। मलिक पाकिस्तानी नागरिक है, जिसने भारत में रहने के लिए फर्जी पहचान पत्र और कागजात बनाए।

पचमढ़ी में भाजपा सांसद एवं विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग के द्वादश सत्र का समापन

जनता की सेवा हमारे डीएनए में, हम जनसेवक हैं शासक नहीं : राजनाथ

विजय मत, ब्यूरो पचमढ़ी

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सांसद एवं विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र को एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने द्वादश सत्र को संबोधित किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता व केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी सांसद और

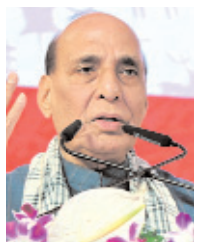

विधायक हमेशा संगठन से जुड़े रहें, क्योंकि संगठन तब भी था, जब सत्ता नहीं थी। कार्यकर्ताओं को सम्मान दें और उनकी बात सुनें, क्योंकि भाजपा की असली ताकत जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही है। जनता की सेवा हमारे डीएनए में है, हम जनसेवक हैं शासक नहीं है। जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही भाजपा की असली ताकत है। जनता का भरोसा जीतें और हर संकट के समय सबसे पहले जनता के बीच पहुंचें। अपनी सोच को बड़ा रखिए, अपनी दृष्टि को बड़ा कीजिए। महापुरूषों की विचारधारा को आगे बढ़ाकर राष्ट्र निर्माण का कार्य करें। हमारा उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, जनता की सेवा है, इसलिए हमने अपने विचारों से कभी समझौता नहीं किया।

चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करके राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया जा सकता है: मुख्यमंत्री मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा सरकर का या संगठन का जो भी दायित्व हम कार्यकर्ताओं को सौंपा जाता है, हम लोग उसे पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ पूर्ण करते हैं। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की परम्परा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति के चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करके राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया जाता है। यह प्रक्रिया व्यक्ति को समाज में एक जिम्मेदार नागरिक बनाती है और व्यक्ति राष्ट्र निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब व्यक्ति अपने चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करते हैं, तो वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश में श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी एवं स्वर्गीय राजमाता सिंधिया ने अलग पहचान बनाकर पार्टी के विस्तार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आंतकवाद को नेस्तानाबूत करके दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है। भाजपा ने विकास से लेकर विरासत को संजोया है।

ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने पराक्रम दिखाकर इतिहास रचा: वीडी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह हम सभी को गौरवान्वित करने वाला क्षण है कि आज हमें भाजपा के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी का मार्गदर्शन मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी ने रक्षा विशेषज्ञों के साथ स्वदेशी रक्षा सामग्री का प्रयोग कर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश की सेनाओं और स्वदेशी मिसाइलों ने ऑपरेशन सिंदूर में पराक्रम दिखाकर इतिहास रचा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवाद को नेस्तानाबूत करने का काम किया है। आज रक्षा क्षेत्र में भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है, हमारी सेनाएं और रक्षा उपकरण स्वदेशी होने के साथ ही आधुनिक भी हैं।

भाजपा का विकास और विस्तार कार्यकर्ताओं की पीढ़ियों के परिश्रम और पुण्य का प्रतिफल: डॉ. महेन्द्र सिंह

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि भाजपा का विकास और विस्तार कार्यकर्ताओं की पीढ़ियों के परिश्रम और पुण्य का प्रतिफल है। भाजपा की विचारधारा केवल चुनाव जीतने की दृष्टि से गढ़ी गई रणनीति नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण करने वाले विचारों की श्रृंखला है। देश के आजाद होने के बाद जवाहरलाल नेहरू की सरकार में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी उद्योग मंत्री बनाए गए थे। लेकिन जवाहरलाल नेहरू ने वर्ग विशेष के दबाव में उन्हें लाभ पहुंचाने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 लगा दी। जब नेहरू सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने को तैयार नहीं हुई तो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने मंत्री पद त्याग कर आंदोलन शुरू कर दिया। वे धारा 370 हटाने के लिए आंदोलन करते हुए गिरफ्तार हुए और रहस्यमय तरीके से जेल के अंदर उनकी मौत हो गई। पार्टी की विचाधारा जिसके लिए हम अपना सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं, लेकिन समझौता नहीं करते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद विकास के साथ विरासत को भी सहेजने का कार्य शुरू हुआ।

मजबूत संकेतों से शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 678 अंक उछला

मुंबई, एजेंसी। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एवं पेट्रोलियम शेयरों में खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से सोमवार को स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी लौट आई। मानक सूचकांक सेंसेक्स में करीब 678 अंक और निफ्टी में 228 अंक की बढ़त दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 677.55 अंक यानी 0.84 प्रतिशत उछलकर 81,796.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 747.22 अंक बढ़कर 81,865.82 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी 227.90 अंक यानी 0.92 प्रतिशत चढ़कर 24,946.50 अंक पर बंद हुआ।

पीएम मोदी को साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान

निकोसिया, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया है। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने प्रधानमंत्री मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय से सम्मानित किया। ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय साइप्रस की ओर से प्रदान किया जाने वाला नाइटहुड सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यह सम्मान सिर्फ नरेंद्र मोदी का ही नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह उनकी क्षमताओं और आकांक्षाओं का सम्मान है।

इजराइल ने ईरान पर फिर एयरस्ट्राइक की

सेंट्रल ईरान में हमले, मिसाइल लॉन्चर्स से लदे ट्रक उड़ाए, 4 दिनों में 224 ईरानियों की मौत

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल और ईरान के बीच 13 जून से लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इजराइल ने सोमवार शाम सेंट्रल ईरान पर फिर से एयरस्ट्राइक की। हमले में हुए नुकसान को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इजराइल डिफेंस फोर्स ने ईरान पर हमले का एक वीडियो जारी किया। कैप्शन में बताया कि आज सुबह से इजराइली एयरफोर्स ने मिसाइल लान्चर्स से लदे कई ट्रकों को निशाना बनाया, जो तेहरान की तरफ जा रहे थे। इससे पहले इजराइल ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्रालय पर हमला किया था। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। 14 जून को इजराइली सेना ने ईरानी रक्षा मंत्रालय पर भी हमला किया था। पिछले चार दिनों के दौरान ईरान में 224 लोग इजराइली हमलों से मारे गए हैं। 1,277 से ज्यादा घायल हैं। अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों की मौत का दावा किया है। ईरान के हमले में आज 8 इजराइलियों की मौत ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है।

ईरान से आर्मेनिया के रास्ते लौटेंगे 1500 भारतीय छात्र

इजराइल से लगातार चौथे दिन जारी लड़ाई के बीच ईरान ने सोमवार को विदेशी नागरिकों को देश छोड़ने की इजाजत दे दी है। भारत ने अपने छात्रों को निकालने के लिए ईरान में आर्मेनिया के राजदूत से बात की है। छात्रों को आर्मेनिया बॉर्डर पर नॉरदुज चौकी से बसों से निकाला जाएगा। ईरान में 1,500 स्टूडेंट्स सहित लगभग 10 हजार भारतीय फंसे हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा हालात में देश के एयरपोर्ट भले ही बंद हैं, लेकिन लैंड बॉर्डर्स खुले हुए हैं।

एमपी में कोरोना से चौथी मौत, गर्भवती थी महिला

मंडला से 4 दिन पहले आई थी मेडिकल कॉलेज

विजय मत, जबलपुर

मध्यप्रदेश में कोरोना से इस साल चौथी मौत हो गई है। मंडला जिले के नारायणगंज निवासी महिला की रविवार रात जबलपुर के मेडिकल कॉलेज में कोरोना से मौत हुई। महिला गर्भवती थी और उसे डिलीवरी के लिए भर्ती कराया गया था। महाकौशल में कोरोना से यह इस सीजन की पहली मौत है। जबकि दो

कोरोना पॉजिटिव मरीज आइसोलेट हैं। नारायणगंज से रेफर होकर आई महिला का सर्दी और खांसी के लक्षण देखकर कोरोना टेस्ट कराया गया था, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसके बाद महिला की सर्जरी की गई, उसने बच्चे को जन्म दिया और उसे मेडिसिन वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया।

सोनम समेत पूरे परिवार के नार्को टेस्ट की मांग पांचों आरोपियों को इंदौर लाएगी शिलांग पुलिस

विजय मत, ब्यूरो इंदौर

राजा रघुवंशी हत्याकांड के सोनम समेत पांचों आरोपियों से शिलांग में जारी पूछताछ के बीच राजा के बड़े भाई ने सोनम और उसके परिजनों के नार्को टेस्ट की मांग की है। सोमवार को राजा की तेरहवीं के दौरान बड़े भाई विपिन रघुवंशी ने मीडिया से कहा कि वह चाहते हैं कि सोनम, उसके माता पिता, भाई गोविंद और भाभी का नार्को टेस्ट किया जाए। उन्होंने कहा कि हमें शक है कि इस हत्याकांड में और भी लोग शामिल हो सकते हैं। उधर, शिलांग पुलिस सोमन समेत पांचों आरोपियों को पड़ताल व सबूत जुटाने के लिए इंदौर ला सकती है। माना जा रहा है कि सोनम ने अपने मोबाइल शिलांग से लौटकर आने के बाद इंदौर में छिपाए हैं। बता दें, राजा (29) हत्याकांड में पुलिस ने उसकी पत्नी सोनम (25), कथित प्रेमी राज

राजा रघुवंशी हत्याकांड

कुशवाह (20), विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का मानना है कि विशाल, आकाश और आनंद राज के दोस्त हैं, जिन्हें पैसों का लालच देकर साजिश में शामिल किया गया था। राजा की पिछले माह 23 मई को मेघालय के शिलांग में हत्या कर दी गई थी। मामले के पांचों आरोपी अभी शिलांग पुलिस की रिमांड पर हैं। एक एसआईटी हत्याकांड की जांच कर रही है।

फर्जी मुठभेड़ पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा:

सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों का गोली चलाना अधिकारिक कर्तव्य नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब के नौ पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या के आरोपों को खारिज करने से इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने साफ कहा कि सादे कपड़ों में किसी वाहन को घेरकर उस पर सामूहिक गोलीबारी करना किसी भी हालत में पुलिस के कर्तव्य पालन के दायरे में नहीं आता। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि यह तर्क देना कि आरोपी पुलिसकर्मी अपने आधिकारिक दायित्वों का पालन कर रहे थे, न्याय को विफल करने की कोशिश जैसा है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में अभियोजन की पूर्व मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती।

विजय मत एंकर | मध्यप्रदेश साइबर पुलिस ने लड़कियों के लिए जारी की एडवाइजरी

प्रेमजाल में फंसाकर युवतियों को बनाते हैं शिकार

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में बढ़ रहे लव जिहाद के मामलों के बाद राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय प्रदेश ने छात्राओं और महिलाओं के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में बताया गया है कि कैसे फर्जी प्रेमजाल में फंसाकर युवतियों को नशा, यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग का शिकार बनाया जा रहा है। खासकर सोशल मीडिया के जरिए लड़कियों को अपराधी अपने जाल में फंसा रहे हैं। साइबर पुलिस की एडवाइजरी के मुताबिक अपराधी स्कूल, कॉलेज या कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाली छात्राओं से सोशल मीडिया पर दोस्ती करते हैं। कई बार वे पर्सनली भी मिलकर कनेक्ट होने की कोशिश करते हैं। ऐसे लोग खुद को रईस और फैशनेबल दिखाते हैं। लग्जरी कार, महंगे मोबाइल और अच्छी लाइफस्टाइल दिखाकर लड़कियों को झांसे में लेते हैं।

एडवाइजरी के मुख्य बिंदु

- आपत्तिजनक फोटो/वीडियो मोबाइल में न रखें।
- अनजान से सोशल मीडिया पर दोस्ती न करें।
- दिखावटी लक्जरी लाइफस्टाइल के झांसे में न आएं।
- ऑनलाइन दोस्त से अकेले न मिलें।
- घटना होते ही 1930 पर थाने या में शिकायत करें।

वीडियो से ब्लैकमेलिंग कर बनाते हैं दबाव

वीडियो और अश्लील फोटो के जरिए युवतियों को ब्लैकमेल किया जाता है। अपराधी दूसरी लड़कियों को भी साथ लाने का दवाब बनाती है। इसके बाद उन पर भी यही दोहराया जाता है। कई मामलों में महिलाओं पर शादी और धर्मांतरण का दबाव भी बनाया गया है।

महिलाएं भी गिरोह में रहती हैं शामिल

इन फर्जी प्रेमियों के साथ कई बार गिरोह की महिलाएं भी होती हैं। पीड़िता का भरोसा जीतने में ये महिलाएं ही मदद करती हैं। शुरुआत में उनका व्यवहार हेल्पिंग होता है। यही कारण है कि लड़कियां उनपर जल्दी विश्वास कर लेती हैं।अपराधी युवतियों को पब, होटल या ढाबों में लेकर जाते हैं, जहां नशे की लत लगाने की कोशिश की जाती है। नशे की हालत में उनके साथ यौन शोषण किया जाता है।

गृह मंत्रालय ने जारी की जनगणना की अधिसूचना

35 लाख+ कर्मी डिजिटली काम करेंगे, 16 भाषाओं में मोबाइल एप

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी। इसके लिए राजपत्र अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फ से ढके गैर-समकालिक क्षेत्रों में जनगणना 1 अक्तूबर 2026 से शुरू होगी। देश के बाकी हिस्सों में यह प्रक्रिया 1 मार्च 2027 से शुरू होगी। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को जनगणना कराने की तैयारियों की समीक्षा की थी। उन्होंने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, महापंजियन एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी। सरकारी बयान के अनुसार, यह जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। इसके लिए मोबाइल एप तैयार किए जाएंगे और उसी में जनगणना से जुड़ी सभी जानकारी एकत्र की जाएगी। एप 16 भाषाओं में उपलब्ध होंगे।

कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

न्यूज इन शॉर्ट

समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में कलेक्टर ने विभागवार सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में विभागवार सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को संतुष्टि के साथ निराकरण दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि जो विभाग सी एवं डी श्रेणी में है वे सभी विभाग दो दिन के भीतर ए और बी श्रेणी में आने के लिए कार्य करें। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण हेतु मैदानी अमले को भी दायित्व सौंपे तथा जिला प्रमुख अधिकारी शिकायतो के निराकरण की स्थिति की मॉनीटरिंग करें।बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरेंद्र सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्री भागीरथी लहरे, श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, श्रीमती ज्योति परस्ते, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास श्री अखिलेश मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान प्रगति पर, जल के संरक्षण हेतु किये जा रहे कार्य

शहडोल। जल है जीवन की धारा, कल का यही सहारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फ्रजल गंगा संवर्धन अभियानफ्र 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। शहडोल जिले में आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान प्रगति पर है। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जा रहे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार का कार्य भी किया जा रहा है। नदियों को साफ-स्वच्छ एवं जल एकत्रित करने के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य भी किये जा रहे हैं। यह जन प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय, जनभागीदारी, आमजन और सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित होगा, जिसमें मशीन, सामग्री व श्रम का समुचित नियोजन किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पंचायत कोल्हुआ में नवीन खेत तालाब निर्माण का कार्य किया गया।

नव उदय सम्मान से सम्मानित हुई संगीता शुक्ला भोपाल मध्यप्रदेश में नव उदय प्रकाशन द्वारा हुआ भव्य सम्मान

शहडोल। होटल रीगल ग्रांड भोपाल में नव उदय प्रकाशन द्वारा साहित्यिक सम्मान के साथ कवि एवं कवयित्री द्वारा रचना पाठ हुए । साथ विशेष इंटरव्यू हर रचनाकार का हुआ देश के हर राज्य से साहित्यकार , कवि उपस्थित रहें।अपनी रचना लेकर ,, पॉडकास्ट इंटरव्यू रूम में

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूर्यपाल सिंह (राइटर, केरला स्टोरी फ़िल्म), एवं किशन सिंह (नगर निगम अध्यक्ष) विशिष्ट अतिथि (डिप्टी डायरेक्ट ह॥रू)वासन्ती अठ्यया,जॉइंट डाइरेक्टर वित्त मंत्रालय श्री नरेन्द्र कौशिक,सीनियर बाल विशेषज्ञ,श्री प्रेम सिंह, नवोदय विद्यालय पूर्व प्रधान प्राचार्या डॉ कमलेश अहिरवार, मुख्य वाणिज्य सर्वेक्षक रेलवे एडवोकेट मयूर मान्ध्या मौजूद रहे। मीडिया पर्सन श्री सत्यम शर्मा, कुलदीप सिंगोरिया, कौशल किशोर चतुर्वेदी अतिथि रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का भव्य आयोजन शिव्या जैन द्वारा किया गया।

मेडिकल कॉलेज तक पहुंचने वाली सड़क जर्जर, दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा

प्रभारी मंत्री ने दिए चौड़ीकरण के निर्देश, नागरिकों ने की रोड सुधार की मांग

विजय मत, शहडोल

शासकीय मेडिकल कॉलेज की दूरी संभागीय मुख्यालय से मात्र 3 से 4 किलोमीटर है, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए कोई उत्तम सड़क उपलब्ध नहीं है। वर्तमान में बस स्टैंड से कुदरी रोड होते हुए मेडिकल कॉलेज जाने का मार्ग प्रयोग में लाया जा रहा है, जिसकी हालत अत्यंत खराब है। यह सड़क न केवल संकीर्ण है, बल्कि जगह-जगह से जर्जर भी हो चुकी है, जिससे एम्बुलेंस, मरीज और स्टॉफ के वाहन आए दिन दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं या समय पर गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते।

प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने दिए सुधार के निर्देश-विगत माह पहले क्षेत्रीय प्रवास पर आए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मेडिकल कॉलेज रोड के निरीक्षण के बाद तत्काल चौड़ीकरण और व्यवस्थित सड़क निर्माण के निर्देश दिए। इसके बाद अब यह मांग उठने लगी है कि इंदिरा चौक से बस स्टैंड रोड तक भी सुधार कार्य आवश्यक है, ताकि मेडिकल कॉलेज तक निर्बाध कनेक्टिविटी मिल सके।

इंदिरा चौक से बस स्टैंड रोड की हालत भी खराब-नगरपालिका द्वारा कुछ वर्ष पहले इंदिरा चौक से बस स्टैंड तक लगभग 800 मीटर लंबे मार्ग का नवीनीकरण किया गया था, लेकिन कुछ ही समय में यह सड़क पुनः जर्जर हो गई है। डामर उखड़ चुका है और दर्जनों स्थानों पर गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी हो रही है।

अतिक्रमण बना विकास में बाधा -बस स्टैंड रोड के चौड़ीकरण और नाली निर्माण का कार्य विगत वर्ष नगर पालिका द्वारा प्रारंभ किया गया था, लेकिन अतिक्रमण हटाए बिना कार्य शुरू कर दिए जाने के कारण निर्माण कार्य बीच में ही रोकना पड़ा। अब नागरिकों की यह स्पष्ट मांग है कि पहले अतिक्रमण हटाया जाए और फिर पूरी सड़क को बेहतर एवं चौड़ी बनाया जाए, जिससे मेडिकल कॉलेज सहित पूरे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके।

बरसात के पूर्व निर्माण कार्य हो आवश्यक, अन्यथा बढ़ेगी समस्या -स्थानीय नागरिकों का कहना है कि आगामी दिनों में वर्षा ऋतु शुरू होने वाली है। यदि बरसात के पूर्व मेडिकल कॉलेज तक पहुंचने वाले मार्ग का जीर्णोद्धार नहीं किया गया तो स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी। बारिश के दौरान पहले से ही जर्जर और संकीर्ण सड़क पर जलभराव हो जाता है, जिससे एम्बुलेंस, मरीजों और आम लोगों को मेडिकल कॉलेज पहुंचने में अत्यधिक कठिनाई होती है। कई बार समय पर इलाज न मिल पाने के कारण गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं।

नागरिकों ने उठाई मजबूत सड़क निर्माण की मांग -स्थानीय नागरिकों, मरीजों के परिजनों और छात्रों द्वारा लगातार यह मांग की जा रही है कि मेडिकल कॉलेज तक जाने वाले मार्ग को प्राथमिकता से सुधारा जाए, ताकि जीवन रक्षक समय में कोई बाधा न आए। साथ ही जर्जर बस स्टैंड रोड की मरम्मत भी शीघ्र कराई जाए, जिससे जनसुविधा में सुधार हो सके।

70 करोड़ की लागत से बनेगा 100 सीटों वाला आयुर्वेद कॉलेज और 100 बिस्तरों का अस्पताल

शहडोल। जिले में 100 सीटर आयुर्वेद कॉलेज व अस्पताल भवन के निर्माण की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस योजना की कुल लागत 70 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है। तकनीकी टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और अब फाइनेंशियल बिड (वित्तीय निविदा) की प्रक्रिया जारी है। प्रक्रिया पूर्ण होते ही निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। आयुष विभाग द्वारा भवन निर्माण को लेकर आवश्यक दस्तावेजों व प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है। निर्माण कार्य का जिम्मा मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड को सौंपा गया है। कुल 70 करोड़ की लागत में 50 करोड़ से सिविल निर्माण व 20 करोड़ से अन्य कार्य जैसे- फर्नीचर, उपकरण, इंटरनल डेवलपमेंट (आंतरिक विकास) आदि पूरे किए जाएंगे। निर्माण योजना के अंतर्गत 100 सीटों वाला आयुर्वेद कॉलेज, 100 सीटों वाला अस्पताल तथा छात्रावास (हॉस्टल) का निर्माण कराया जाएगा। यह संस्थान 10 एकड़ भूमि पर निर्मित होगा, जिसकी भूमि पहचान व स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

कॉलेज व हॉस्पिटल का भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। सभी आवश्यक चिकित्सा कक्ष, ओपीडी, लैब, कक्षाएं व लाइब्रेरी सहित समस्त आधारभूत संरचनाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही अलग-अलग भवनों में छात्र-छात्राओं के लिए हॉस्टल बनाए जाएंगे।

सुरक्षा के दृष्टिकोण से धनपुरी पुलिस ने रात्रि में वाहनों के चेकिंग का चलाया अभियान

विजय मत, धनपुरी

वर्तमान समय में अगर देखा जाए तो कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए स्थानीय पुलिस के द्वारा जहां लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ अपराधियों पर अभियान चला कर लगातार कार्यवाही भी की जा रही है यही कारण है कि अवैध कामों पर अंकुश लगा हुआ है और पुलिस की कार्य प्रणाली की हर कोई प्रशंसा भी कर रहा है विगत दिनों पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव के निर्देशन पर एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी विकास पांडे के मार्गदर्शन में रात्रि को वाहनों की चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें मुख मार्ग से होकर जो वहां जा रहे थे उन्हें रोक कर पुलिस के द्वारा अंदर तक जांच की जा रही थी नगर निरीक्षक खेम सिंह मौके पर मौजूद रहकर इस अभियान की नेतृत्व कर रहे थे।

रात्रि के समय पर वाहनों की चेकिंग अभियान चलाए जाने के संबंध में नगर निरीक्षक खेम सिंह ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टिकोण से इस अभियान को चलाया गया शहर के अंदर कानून व्यवस्था को सख्त बनाया जा रहा है और लगातार पेट्रोलियम भी की जा रही है थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना पहली प्राथमिकता में है जिसे देखते हुए इस तरह के अभियान समय-समय पर चलाए जा रहे हैं।

जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत शिविर लगाकर लोगों को दी गई योजनाओं की जानकारी

विजय मत, शहडोल

भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती वर्ष के अवसर पर जनजातीय गौरव वर्ष के तहत जनजातियों के सशक्तिकरण के लिए धरती आबा शिविरो का आयोजन जिले में किया जा रहा है। जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का उद्देश्य जनजातीय बाहुल्य ग्रामों का समग्र विकास करना है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल संरक्षण, आजीविका और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत सोहागपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत खैरहा,जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पंचायत बरगंवा सहित अन्य ग्राम पंचायतों में शिविर लगाकर विशेष अति पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के लोगों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई तथा योजनाओं का लाभ लेने हेतु समझाइश दी गई। पीएम जनमन योजना एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत विशेष पिछडी जनजाति (बैगा) समुदाय के लोगों को संचालित शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

शिविरों के माध्यम से आधार कार्ड, आयुष्मान भारत, कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, पीएम किसान, जनधन खातों के विवरण के साथ ही शिविर के माध्यम से सिकिल सेल रोग और उनके परीक्षण के बारे में आम जनता को जागरूक किया जा रहा है, इसके साथ ही पक्का आवास, ग्राम/बसाहट हेतु पहुंच मार्ग में पक्की सडक हर-घर नल से जल, हर-घर बिजली, पीएम उज्जवला योजना, मोबाइल मेडिकल यूनिट, आगंनबडी केन्द्र की स्थापना, छात्रावास निर्माण, प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना, पोषण वाटिका, मोबाइल नेटवर्क कनेक्टविटी, स्किल इण्डिया मिशन, डिजिटल इनीशिएटिव्स, टिकाउ कृषि पध्दतिया योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय ग्राम स्वाराज अभियान अंतर्गत केपेसिटि बिल्डिंग ऑन एफआरए एवं ट्रायबल स्टे होम-स्वदेश दर्शन के बारे में भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। गौरतलब है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान 30 जून 2025 तक चलाया जाएगा।

मैगजीन के नीचे से कोयला निकालने को लेकर प्रबंधन ने प्रयास किया तेज

एसईसीएल सोहागपुर एरिया, निकाला जा रहा पानी 65 लाख टन मौजूद है कोयला

विजय मत, धनपुरी

एसईसीएल सोहागपुर एरिया के अमलाई ओपन कास्ट में कोयला उत्पादन की रफ्तार जो वर्तमान में देखने को मिल रही है वह इसी स्थिति में बनी रहे इसे लेकर उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी रमन्ना के द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है एरिया महाप्रबंधक श्री कृष्णा के मार्गदर्शन में वर्तमान समय में अगर देखा जाए तो आज यह एरिया कोयला उत्पादन को लेकर लगातार कीर्तिमान स्थापित कर रहा है लेकिन अब इस ओपन कास्ट में आने वाले समय में भी उत्पादन इसी तरह से होता रहे इसे लेकर जो नए फेस से कोयला उत्पादन करना है वहां पर काम तेजी से किया जा रहा है वैसे तो इस बार कोयला एवं ओवी भी निकालने को लेकर दोनों का टेंडर किया जा चुका है और 15 अगस्त के बाद जिसे टेंडर मिला है उसे कोयला निकालने के लिए काम शुरू करना होगा लेकिन इसके ठीक पहले अगर मैगजीन के पास देखा जाए तो यहां पर बड़ी मात्रा में पानी मौजूद है जिसे निकालने के लिए प्रबंधन के द्वारा लगातार काम किया जा रहा है क्योंकि पानी निकालने का काम प्रबंधन को ही करना है समय रहते यह कर पूरा हो जाए इसे लेकर स्थानीय प्रबंधन के द्वारा लगातार मोटर लगाकर पानी बाहर निकाला जा रहा है यहां पर अगर देखा जाए तो करीब 28 लाख टन कोयला मौजूद है और कोयला निकालने से पहले यहां पर जो ओवी है उसे हटाया जाएगा इसके बाद यहां पर 7 मी कोयला मौजूद है जो की यहां की कोयला उत्पादन के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है देखा जाए तो पूर्व में यहां पर मौजूद कोयला होने के बाद भी ओवी डंप कर दिया गया था और इस कारण से इस कोयले को नहीं निकाला जा सका लेकिन वर्तमान प्रबंधन के द्वारा कोयला उत्पादन को लेकर जिस तरह की गंभीरता दिखाई जा रही है यह उसी का नतीजा है कि अब इस कोयले को निकालने के लिए प्रबंधन की ओर से सभी प्रयास किया जा रहे हैं बरसात का महीना करीब है जिसे देखते हुए यहां पर जो 21 मीटर पानी मौजूद है उसे तेजी से निकाला जा रहा है समय रहते यह काम पूरा हो जाए इस पर प्रबंधन का पूरा फोकस देखा जा रहा है आज वैसे भी अगर देखा जाए तो पूरे एरिया के कोयला उत्पादन में यह सबसे महत्वपूर्ण ओपन कास्ट मानी जाती है यहां का कोयला उत्पादन निरंतर होता रहे यह प्राथमिकता में प्रबंधन की देखी जाती है।

बिलासपुर मुख्यालय के द्वारा जब यहां पर उप क्षेत्रीय प्रबंधक का दायित्व दिया गया उन्होंने ने यहां पर कारभार संभालते ही कोयला उत्पादन को लेकर जिस तरह से काम करना शुरू किया उसी का नतीजा है कि यहां पर लगातार उत्पादन हो रहा है मैगजीन के पास जहां करीब 65 लाख टन कोयला मौजूद है उसे निकालने को लेकर भी तेजी से काम किया जा रहा है बरसात को देखते हुए भी पूरे खदान में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा रहा है लगातार सवेरिया मैनेजर पी रमन्ना उक्त मौके का निरीक्षण कर रहे हैं और सुरक्षा के साथ पानी निकालने के काम में तेजी लाया जा रहा है ।

सर्प-दंश से जन-सामान्य के बचाव के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एडवाइजरी जारी

शहडोल। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सर्पदंश के मामलों को गंभीरता से लेते हुए इसे स्थानीय आपदा घोषित किया है। बारिश के मौसम में बढ़ने वाली इन घटनाओं की रोकथाम के लिए एक बहुआयामी रणनीति तैयार की है, जिसमें जनजागरूकता, आपातकालीन सेवाओं का सुदृढ़ीकरण और निवारण संबंधी उपाय शामिल किए गए हैं। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत और शहरी वार्ड स्तर पर स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोशल मीडिया, रेडियो, होर्डिंग्स और प्रिंट मीडिया के जरिए सर्पदंश से बचाव और प्राथमिक उपचार की जानकारी प्रसारित की जाएगी। स्कूलों और कॉलेजों में विशेष सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को इस खतरे और उससे बचाव के उपायों के बारे में शिक्षित किया जाएगा। प्रत्येक जिले में प्रशिक्षित श्सर्प मित्रश् और श्स्नेक-कैचर्सश् की तैनाती की जाएगी, जिनके हेल्पलाइन नंबर जनता को उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी सरकारी अस्पतालों में एंटी-वेनम (विषनाशक दवा) का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाएगा। पीड़ितों को निकटतम चिकित्सा केन्द्र तक पहुँचाने की व्यवस्था को और सुचारू बनाया जाएगा, ताकि आपात स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके।

जनजागरूकता गतिविधि में ग्रामीणों को खेतों और जंगलों में काम करते समय मोटे जूते और दस्ताने पहनने की सलाह दी जाएगी। घरों के आसपास सफाई रखने, झाड़ियों को काटने और कूड़े के उचित निपटान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पशुपालकों को पशुशालाओं के आसपास बाड़ लगाने और पर्याप्त रोशनी का प्रबंध करने की सलाह दी गई है। पर्यटन स्थलों पर सर्प अधिकता क्षेत्रों को चिह्नित करने और चेतावनी बोर्ड लगाने का भी प्रावधान किया गया है। जनता से अपील की गई है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या देसी उपचार की बजाय तुरंत निकटतम अस्पताल पहुँचें।

श्रमदान विश्वविद्यालय की रासेयो इकाई के लगभग 20 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया

मोहन राम तालाब में विशेष सफाई अभियान चलाया गया

विजय मत, शहडोल

पंडित शंभू नाथ शुक्ला विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा रविवार को नगर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर माने जाने वाले मोहन राम तालाब में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य न केवल तालाब परिसर को स्वच्छ और सुंदर बनाना था, बल्कि समाज में पर्यावरणीय चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी जागृत करना था।

प्रातः 6 बजे से प्रारंभ हुए इस अभियान में विश्वविद्यालय की रासेयो इकाई के लगभग 20 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। रासेयो बैज धारण किए स्वयंसेवकों ने तालाब परिसर में फैले प्लास्टिक, सूखी पत्तियाँ, अपशिष्ट पदार्थों को समेटकर व्यवस्थित तरीके से निस्तारित किया। इस दौरान स्वच्छता के नारों से समूचा वातावरण गूंज उठा - स्वच्छता है सेवा, हम सबका सपना - स्वच्छ हो अपना भारत, आदि।

इस स्वच्छता के भाव को बनाए रखने हेतु एवं मोहन राम तालाब के वातावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखने की दिशा में हस्स्इकाई द्वारा एक और पहल की जा रही है। आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के अवसर पर रासेयो पाठशाला तथा स्वयंसेवकों के साथ मिलकर तालाब परिसर में योग अभ्यास एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य शारीरिक, मानसिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के बीच संबंध को जनमानस तक पहुँचाना है। इसी के साथ रासेयो इकाई आम जनमानस से यह अपील करती है कि वे मोहन राम तालाब जैसी ऐतिहासिक धरोहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें। कृपया वहाँ कचरा न फेंकें, और स्वच्छता के इस सामूहिक प्रयास में सहभागी बनें। यह प्रयास न केवल वातावरण को स्वच्छ बनाएगा, बल्कि जल स्रोतों की रक्षा कर जल जीवन के संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ज्योति सिंह के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ दलनायक श्रुति तिवारी के नेतृत्व में यह कार्य किया गया। स्वयंसेवक सुचिता तिवारी, उत्तरा विश्वकर्मा, जय राज रजक, प्रीति विश्वकर्मा, मनीष सिंह, मनोज अहिरवार, साक्षी माहरा, अनुज, अंजली, आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

फिर मिला कोयले का अपार भंडार, 88 लाख क्यूबिक मीटर ओवी हटाने के बाद 10 लाख टन कोयले का होगा उत्पादन

विजय मत, धनपुरी

जिस ओपन कास्ट में कोयला अंतिम माना जा रहा था और इस बात को लेकर चर्चा हो रही थी की दो-तीन महीने में यह ओपन कास्ट बंद हो जाएगी लेकिन ऐसा नहीं होगा क्योंकि जिस ओपन कास्ट को बंद करने की तैयारी थी अब इस ओपन कास्ट में करीब 10 लाख टन कोयले का भंडार मिला है जो सोहागपुर एरिया के लिए सुखद समाचार कहा जा सकता है यह खदान है धनपुरी ओपन कास्ट जो अपने कोयला उत्पादन को लेकर अलग पहचान रखती है कभी एरिया की कोयला उत्पादन में इस ओपन कास्ट का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता था धीरे-धीरे यहां से कोयला निकलता गया और आज यह ओपन कास्ट बंद होने के कगार पर पहुंच गया लेकिन पूर्व में जिस स्थान पर ओवी डंप किया गया था वहां पर बड़ी मात्रा में कोयला मौजूद है कई वर्षों तक तो इसकी किसी को जानकारी नहीं लगी लेकिन जब इस पूरे ओपन कास्ट का निरीक्षण किया गया तो यहां पर कोयला मौजूद होने की जानकारी लगी और आगे की कार्यवाही करते हुए जब मौके का पूरी तरह से निरीक्षण किया गया तो यह देखने में आया कि अभी भी यहां पर 8 से 10 लाख टन कोयला मौजूद है जो की करोड़ों रुपए का है और एरिया के कोयला उत्पादन में यह कोयला अब सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जिस स्थान पर धनपुरी ओपन कास्ट के कोयला मौजूद है वहां पर 52 मी ओवी जो गहराई में है पहले उसे हटाया जाएगा इसके जिसके नीचे 7 मी कोयला का सीम मौजूद है और 88 लाख क्यूबिक मीटर ओवी हटाने के बाद यहां से कोयला निकालने की आगे की कार्यवाही प्रबंधन की ओर से शुरू की जाएगी अब जिस स्थान पर इतनी बड़ी मात्रा में कोयला मिला है एरिया मुख्यालय के द्वारा बिलासपुर मुख्यालय को इसकी जानकारी दी गई है मुख्यालय से मंजूरी मिलने के बाद यहां पर आगे की कार्यवाही एरिया प्रबंधन की ओर से शुरू किया जाएगा कभी धनपुरी ओपन कास्ट अलग उप क्षेत्र था लेकिन बाद में इसे मुख्यालय के द्वारा अमलाई ओपन कास्ट में मिला दिया गया और इस तरह से दोनों ओपन कास्ट एक ही उप क्षेत्रीय कार्यालय से संचालित हो रहा है अब यहां पर जो कोयले का भंडार मिला है वह पूरे एरिया के लिए एक सुखद समाचार है क्योंकि जो ओपन कास्ट खदान बंद होने की कगार पर पहुंच गया था ।

मुख्यमंत्री ने बरेली में किया 138.96 करोड़ के 45 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

रक्षाबंधन के अवसर पर लाड़ली बहनों को दिये जायेंगे 250 रूपये अतिरिक्त : सीएम मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा मध्यप्रदेश अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास की यह गति हम थमने नहीं देंगे। विकास की हर बात पर सरकार नागरिकों से कदम से कदम मिलाकर काम करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों के खाते में 1500 रूपये की राशि अंतरित की जायेगी। जिसमें योजना की तय राशि 1250 रूपये के अलावा 250 रूपये रक्षाबंधन पर उपहार के रूप में दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से अगले पांच साल में हम मध्यप्रदेश की तस्वीर बदल देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को रायसेन जिले की बरेली में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य विभाग के निर्माण कार्यों सहित कुल 138.96 करोड़ की लागत वाले विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने चयनित हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्द्धन अभियान के तहत स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ पौधरोपण भी किया।

पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़कर मध्य प्रदेश बनेगा नंबर-1... *मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने 4 लाख 21 हजार करोड़ का बजट पेश किया था। प्रदेश में 8 एयरपोर्ट बनकर तैयार हो चुके हैं। प्रदेश के विकास के लिए औद्योगीकरण को बढ़ावा दे रहे हैं। मेट्रोपोलिटन क्षेत्र विकसित होने से बरेली, औबेदुल्लागंज सहित पूरा क्षेत्र जगमगायेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों की समृद्धि के लिए कार्य कर रही है। पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़कर मध्यप्रदेश देश का नंबर 1 राज्य बनेगा। सरकार कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। प्रदेश को दूध की राजधानी बनाने के लिए योजनाएं शुरू की गई हैं। स्व-सहायता समूह की महिलाएं और किसान गाय पालना शुरू करें। उन्हें 25 फीसदी सब्सिडी मिलेगी। सरकार दूध खरीदेगी। नगर निगमों में 10-10 गौशालाएं खोली जा रही हैं। हमने प्रति गाय दिए जा रहे अनुदान को 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए कर दिये हैं। अगर कोई गौशालाएं शुरू करना चाहता है, तो सरकार उसे हर संभव मदद देगी। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पूरी करने का संकल्प मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लिया है।*

बरेली विकास के पथ पर है अग्रसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए-नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। मध्यप्रदेश के साथ बरेली क्षेत्र पर छींद वाले हनुमान जी महाराज की असीम कृपा है। कृषि संपन्न बरेली क्षेत्र भी विकास के पथ पर अग्रसर है। गांव-गांव को सड़क से जोड़ने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरू की थी। तब विरोधी लोग कहते थे कि गांव में सड़क की क्या जरूरत है, वहां तो बैलगाड़ी चलती है। दूरदर्शी नेतृत्व के धनी स्व. अटलजी ने देश को स्वर्णिम चतुर्भुज योजना की भी सौगात दी, जिसका लाभ आज पूरे देश और नर्मदांचल को भी मिल रहा है।

युवाओं के लिए इंटर्नशिप में सहायता देगी सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने किसान परिवार के बेरोजगार युवाओं को इंटर्नशिप दिलाने की अभिनव योजना की शुरुआत की है। इससे जुड़े युवाओं को कौशल उन्नयन के साथ ही 3000 रुपए प्रति महीना आर्थिक लाभ भी दिया जा रहा है। हम इस की सराहना करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि ऐसी योजना में इंटर्नशिप की सहायता राशि अब राज्य सरकार प्रदान करेगी।

तीन साल में मेडिकल कॉलेज की संख्या 50 करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार मेडिकल के साथ नर्सिंग कॉलेज की संख्या बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है। अगले 3 साल में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 50 करने का लक्ष्य है। प्रदेश के गांवों की बेटियों को भी नर्सिंग कॉलेजों में पढ़ाई और रोजगार का अवसर मिलेगा। प्रदेश की लाड़ली बहनों को आगामी रक्षाबंधन पर 1500 रुपए मिलेंगे। तय राशि 1250 के अलावा 250 रुपए रक्षाबंधन का तोहफा अलग से दिया जाएगा।

अगले तीन सालों में किसानों को बिजली बिल से कर देंगे मुक्त

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों को 5 रुपए में बिजली कनेक्शन देने का निर्णय लिया है। हमारी सरकार की कोशिश है कि अगले 3 सालों में हम किसानों को बिजली बिल से पूरी तरह मुक्त कर देंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों के लिए सोलर पंप योजना की शुरुआत की है। किसान अपनी बिजली बनाएं, उपयोग करें और उनकी जरूरत से ज्यादा/अतिरिक्त बिजली सरकार खरीदेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर खेत तक पानी पहुंचाने के लिए मध्यप्रदेश में केन-बेतवा लिंक, पार्वती-कालीसिंध-चंबल और तापी मेगा रीचार्ज परियोजना की शुरुआत की गई है।

भस्म आरती में शामिल हुए सांसद व अभिनेता रवि किशन, बोले-

दुख, दारिद्रय और काल हरते हैं बाबा महाकाल

विजय मत, ब्यूरो, उज्जैन

बाबा महाकाल के भक्त देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी बसे हुए हैं, मैं उन सभी भक्तों को सबसे पहले प्रणाम करता हूं। बाबा महाकाल के दरबार में सरकार और प्रशासन ने जो व्यवस्थाएं की हैं वह वाकई में प्रशंसा करने के लायक हैं। मंदिर में लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन बिना किसी परेशानी के दर्शन करते हैं और पूर्ण आदर्श सम्मान के साथ समिति उन्हें दर्शन भी करवाती है। बाबा महाकाल के दरबार में सब एक बराबर है, जिन्हें बिना किसी भेदभाव के दर्शन करवाए जाते हैं। मैं भी आज कालों के काल बाबा महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाने आया हूं। बाबा महाकाल दुख दारिद्र और काल को हरने वाले हैं इसीलिए मैंने उनसे यही मांगा है कि वह अहमदाबाद, केदारनाथ में हुई घटनाओं से सभी को बचाएं। यह बात गोरखपुर से सांसद व अभिनेता रवि किशन ने बाबा महाकाल की भस्म आरती देखने के बाद मीडिया से कही।

श्री महाकालेश्वर मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि आज सुबह गोरखपुर से सांसद व अभिनेता रविकिशन शुक्ल श्री महाकालेश्वर भगवान की भस्मार्ती में सम्मिलित हुए आपने लगभग 2 घंटे तक भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल के निराकार से साकार स्वरूप के दर्शन किए। इस दौरान आप बाबा महाकाल की भक्ति में लीन नजर आए।

न्यूज इन शॉर्ट

मूंग उपार्जन के लिए पंजीयन 19 जून से प्रारंभ होकर 05 जुलाई तक

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल के द्वारा जारी दिशा-निर्देशो के अनुरूप एवं भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम योजना अंतर्गत विपणन वर्ष - 2025-26 में निर्धारित समर्थन मूल्य 8575 प्रति क्विंटल पर अंतिम पुष्टि शासन स्तर पर मूंग की खरीदी के लिए पंजीयन 19 जून से 05 जुलाई 2025 तक किया जायेगा। जिले में उपार्जन केन्द्र करोंद मंडी एवं बैरसिया मंडी में स्थापित किये गये है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग उप संचालक, जिला भोपाल श्रीमति सुमन प्रसाद ने किसानों से अपील की गई है कि पंजीयन के लिए आवश्यक किसान का नाम, आधार नबंर, खसरा खतौनी की प्रति, बैंक पासबुक, मोबाईल नंबर, भूमि का विवरण संबंधी दस्तावेज सफल पंजीयन के लिए अवश्य रखें तथा किसान भाई अपनी उपज का पंजीयन कराने से पहले आधार नंबर से बैंक खाता एवं मोबाईल नंबर को आवश्यक रूप से लिंक करा ले। किसान के परिवार में जिन सदस्यों के नाम भूमि होगी वे सभी अपना पृथक-पृथक पंजीयन करायेंगे। किसान की भूमि यदि अन्य जिले में है तो उस जिले में पंजीयन कराया जायेगा। जिले में अलग-अलग स्थानों पर भूमि होने पर एक ही केन्द्र पर सभी भूमियों का पंजीयन होगा। उन्होंने किसानों से अपील की है कि निर्धारित समयावधि में पंजीयन अवश्य कराये, अपना खाता एवं दस्तावेज अद्यतन रखें, पंजीयन की अंतिम तिथि 05 जुलाई 2025 के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा। ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र एमपी किसान एप पर पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है एवं एमपी ऑनलाइन कियोस्क, सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र, निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर पंजीयन की सःशुल्क 50 रूपये प्रति पंजीयन की व्यवस्था की गई है।

बीसीएलएल बस चालक हड़ताल पर 12 रूटों पर बस सेवाएं प्रभावित, हजारों यात्री परेशान

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बीसीएलएल (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड) के बस चालक और परिचालक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल के कारण शहर के कुछ रूटों पर लो-फ्लोर बसें नहीं चल रही हैं। हड़ताल बागसेवनिया डिपो में विरोध प्रदर्शन के साथ शुरू हुई, जहां चालकों और परिचालकों ने बीसीएलएल और बस ऑपरेटर के खिलाफ नारेबाजी की। इस हड़ताल से यात्रियों को परेशानी हो रही है क्योंकि कुछ मार्गों पर बसें नहीं चल रही हैं। हड़ताल के कारण 12 रूटों पर बस सेवाएं प्रभावित हुई हैं। वेतन और ग्रेजुएटी फंड पीएफ नहीं मिलने पर बस चालक और परिचालक हड़ताल कर रहे हैं। दरअसल, वेतन और जीएफ नहीं मिलने से चालक और परिचालक नाराज हैं। चालकों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, वे हड़ताल पर रहेंगे। हड़ताल के कारण छह रूटों पर बस सेवाएं प्रभावित हुई हैं। हजारों यात्री अपनी दैनिक यात्रा के लिए परेशान हो रहे हैं।

युवक के सिर पर पत्थर मारकर हत्या सड़क किनारे संदिग्ध हालात में मिला शव, संदेहियों की तलाश जारी

भोपाल। गुनगा थाना इलाके के ग्राम भैंसखेड़ा में एक युवक के सिर पर पत्थर मार कर हत्या किए जाने की सनसनी खेज घटना सामने आई है। मृतक को लोगों ने रविवार रात कुछ लोगों के साथ शराब पीते हुए देखा था। शव मिलने के बाद से ही वह लोग गायब है। अनुमान है कि शराब पीने के दौरान विवाद में उसके सिर में पत्थर मारा गया है, जिससे उसकी मौत हुई है। घटना स्थल के पास खून से सना एक बड़ा पत्थर भी मिला है। फिलहाल थाना पुलिस का कहना है कि मामले में हत्या या हादसे के एंगल से भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, अर्जुन सिंह ठाकुर पुत्र ज्ञान सिंह (30), भैंसखेड़ा, में रहता था। वह मजदूरी करता था, उसे शराब पीने का शोक भी था। परिवार में पत्नी और पांच साल का एक बेटा है। अर्जुन सिंह यहां माता-पिता के साथ रहता था। रविवार सुबह करीब 11 बजे गांव के लोगों ने अर्जुन सिंह का शव गांव के पास मेन रोड पर सप्पन महाराज के चबूतरे के पास पड़ा देखा। खबर मिलने पर परिजन और पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने फोरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल की जांच के बाद शव को पीएम के लिए रवाना कर दिया।

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना

प्रदेश के 62 हजार से अधिक बच्चों के विचार पोर्टल पर अपलोड किये गये

विजय मत, भोपाल

केन्द्र सरकार के प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संचालित इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के माध्यम से स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने के मकसद से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश में इंस्पायर अवार्ड मानक योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के जरिये बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के प्रयास किये जा रहे हैं। पिछले वर्ष स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित इस योजना में शासकीय विद्यालयों के अलावा अशासकीय विद्यालय के साथ केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और अन्य विद्यालयों के बच्चे शामिल हुए। प्रतियोगिता में 62 हजार 124 बच्चों के विज्ञान से जुड़े आइडियाज भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड किये गये।

प्रदेश की छात्रा को मिला जापान जाने का मौका

केन्द्र सरकार की इस प्रतियोगिता में नई दिल्ली में आयोजित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश में स्थान प्राप्त विदिशा जिले की रूपाली लोधी को एक्सचेंज प्रोग्राम में वर्ष 2024 में जापान जाने का मौका मिल चुका है। योजना में कक्षा-6 से कक्षा-10 तक नियमित अध्ययनरत विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में शामिल हो सकते हैं। केन्द्र सरकार द्वारा यह कार्यक्रम देशभर के 5 लाख विद्यालयों में संचालित किया जा रहा है। योजना के माध्यम से प्रत्येक विद्यालय से 2 सर्वश्रेष्ठ विचार के मान से लगभग 10 लाख नवाचारों को प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आदमपुर खंती डंपिंग साइट क्षेत्रवासियों के लिए 18 जून से 26 जून तक मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन

भोपाल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा भोपाल की आदमपुर खंती डंपिंग साइट के आसपास निवासरत नागरिकों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार के लिए विशेष मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 18 जून से 26 जून 2025 तक ग्राम पडरिया काछी में आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य शिविर में श्वसन रोग विशेषज्ञ, चर्म रोग विशेषज्ञ, पेट रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, पैथोलॉजिस्ट सहित आवश्यक चिकित्सकीय स्टाफ उपस्थित रहेंगे। शिविर का उद्देश्य डंपिंग साइट के आस-पास निवासरत नागरिकों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान करना है।

आराधना नगर परियोजना के विद्युत संबंधी कार्यों सहित शेष सभी कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराएं

■ निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने आराधना नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवासों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

विजय मत, भोपाल

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आराधना नगर में निर्मित एवं निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया और विद्युत संबंधी कार्यों सहित अन्य शेष सभी कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए साथ ही निगम आयुक्त नारायन ने एम.आई.जी आवासों के विभिन्न ब्लॉकों का हितग्राहियों को आधिपत्य सौंपने हेतु पृथक-पृथक निर्धारित समय सीमा में ही आधिपत्य सौंपने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त सुश्री टीना यादव, मुख्य अभियंता उदित गर्ग, कार्यपालन यंत्री आशीष श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने सोमवार को आराधना नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित एवं निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया और आवासों एवं परिसर में विद्युत संबंधी कार्यों सहित अन्य कार्यों तथा हितग्राहियों को आधिपत्य सौंपने के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त नारायन ने परिसर में विद्युत संबंधी कार्यों पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्युत पोल लगाने सहित अन्य शेष कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

आतंकियों के लिए फंड जुटाता था थाईलैंड से डिपोर्ट मोहसिन

जेल में बंद एचयूटी आरोपियों के परिवारों से जुड़ा था भोपाल से देशभर में नेटवर्क फैलाया

विजय मत, भोपाल

आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर से जुड़े नेटवर्क पर एनआईए ने एक बार फिर बड़ा एक्शन लिया है। थाईलैंड से डिपोर्ट कर भारत लाए गए मोहसिन खान की गिरफ्तारी के बाद भोपाल और झालावाड़ (राजस्थान) में शनिवार को एक साथ छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में कई डिजिटल डिवाइस, संदिग्ध दस्तावेज और धार्मिक साहित्य जब्त किए गए हैं। मोहसिन को एनआईए ने 16 जून तक रिमांड पर लिया है। उसके मोबाइल, बैंक खातों और कॉन्टैक्ट्स की गहराई से जांच की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, मोहसिन न केवल एचयूटी के लिए फंड जुटा रहा था, बल्कि

देशभर के कार्यकर्ताओं से सक्रिय संपर्क में था। एनआईए सूत्रों के मुताबिक मोहसिन भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में लंबे समय से रह रहा था। वह एचयूटी के सक्रिय सदस्यों से संपर्क बनाए हुए था और संगठन के लिए फंडिंग की व्यवस्था करता था। इतना ही नहीं, वह भोपाल जेल में बंद एचयूटी के 17 आरोपियों में से कुछ के परिजन से लगातार संपर्क में भी था। उन परिवारों को आर्थिक मदद देता था। 2023 में जब एचयूटी के कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था, तब मोहसिन का नाम जांच में आया था। शुरुआती पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया था। हालांकि, उसके बाद एनआईए ने उस पर निगरानी बढ़ा दी और अब पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तारी की गई है। एनआईए ने मोहसिन के बैंक खातों की जांच में कई संदिग्ध ट्रांजैक्शन पकड़े हैं। वहीं, उसके मोबाइल फोन में कुछ ऐसी एप्लिकेशन मिली हैं जो आमतौर पर आतंकवादी संगठन आपसी संपर्क के लिए इस्तेमाल करते हैं।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार पर जानलेवा हमला, तलवार-लाठी से हमला

भोपाल। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार पर गंजबासौदा में रविवार देर शाम जानलेवा हमला हुआ। अहिरवार ने एक वीडियो जारी कर इसकी जानकारी दी। राहत कीबात यह है कि उनको कोई चोट नहीं है। प्रदीप अहिरवार ने वीडियो के माध्यम से बताया कि वह रविवार को बसौदा होते हुए ग्यारसपुर जा रहे थे, तभी उनकी गाड़ी को विदिशा जिले के गंजबासौदा इलाके के दहला गांव में उनकी गाड़ी को 40 से 50 बदमाशों ने तलवारों, लाठियों और डंडों से घेर लिया और हमला कर दिया। अहिरवार ने बताया कि हमलावरों ने पहले उनका नाम पूछा और फिर अचानक हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि वह यदि गाड़ी रोक देते, तो हमलावार उनकी हत्या कर देते। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने तलवार, लाठी-डंडे लेकर आए थे।

विधायक बोले- कांग्रेसी होकर भी आरएसएस से जुड़ा हूं

बीजेपी का तंज- राहुल गांधी, नींद से जागिए पार्टी में स्लीपर सेल और घोड़े मत ढूंढ़िए

विजय मत, भोपाल

आगर-मालवा की सुसनेर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक भैरो सिंह परिहार ने खुले मंच से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तारीफ की है। उनका एक वीडियो सामने आया है, इसमें वे कहते दिख रहे हैं कि वे कांग्रेसी होते हुए भी संघ से जुड़े हैं। इस वीडियो को बीजेपी ने एक्स पर शेयर किया और राहुल गांधी को टैग करते हुए लिखा, जिस संघ को राहुल गांधी दिन-रात कोसते हैं, उसी संघ से कांग्रेस के विधायक जुड़े हुए हैं और उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। बीजेपी ने राहुल गांधी को सलाह दी- अब नींद से जागिए और अपनी पार्टी में स्लीपर सेल और 'घोड़े' मत ढूंढिए। वीडियो करीब 10 दिन पुराना

बताया गया है। कांग्रेस विधायक परिहार आगर मालवा में राजपूत महासभा के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मान सिंह ठीकरिया को संबोधित करते हुए कहा, आप भी संघ से जुड़े हुए हैं। मैं आपका सम्मान करता हूं। मैं भी संघ से जुड़ा हुआ हूं।

परिहार ने आगे कहा- मैंने कई पदाधिकारियों के साथ मिलकर काम किया है। दो साल पहले जब दारा सिंह मुख्यमंत्री से मिलने आए थे और गरोठ के विधायक को पुलिस उठाने आई थी, तब मैंने संघ के लिए कॉम्प्रोमाइज करवाया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेसी तो गिनती के बचे हैं।

खास-खबर | जल गंगा संवर्धन अभियान

जनभागीदारी से जल संरक्षण के तेजी से हो रहे है काम

विजय मत, भोपाल

प्रदेश में 30 मार्च से शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गये हैं। जिलों में अब इन कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इसी के साथ तालाब गहरीकरण, सोखता गड्ढ़ों का निर्माण सहित अन्य कार्य जनभागीदारी से तेज गति से किये जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संचयन के कामों के प्रति जनसामान्य को दीवार लेखन सहित अन्य गतिविधियों से जागरूक किया जा रहा है। प्रदेश में आगामी वर्षा के मौसम को देखते हुए जल स्त्रोतों के आस-पास व्यापक पौधरोपण की योजना भी तैयार की गई है।

पांढुरना जिले में कलेक्टर अजय देव शर्मा के निर्देश पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में गांव-गांव में जल चौपाल का शुभारंभ पौधरोपण से किया गया एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। दीवार लेखन का कार्य भी किया गया। जल

चौपाल में ग्रामीणों के बीच बैठकर कार्यकर्ताओं द्वारा उनको जल स्त्रोतों के आस-पास निरंतर साफ-सफाई रखने की समझाइश दी गई। जिले में तैयार की गई पौधरोपण की कार्ययोजना पर भी जानकारी दी गई। जनसमुदाय को क्षेत्र के आस-पास की ऐतिहासिक बावड़ी की जानकारी भी दी गई।

रतलाम जिले में कलेक्टर कार्यालय में जल संवर्धन अभियान में अब तक किये गये कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर राजेश बाथम ने अभियान में चल रहे कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जल संवर्धन एवं संरक्षण के लिए अब तक जो भी काम किए गए हैं उनकी जानकारी गूगल सीट में अपडेट करें। जिले में जल संवर्धन के लिए अब तक बनाई गई सभी वाटर बॉडी की जियो टैगिंग अनिवार्य रूप से की जाये। बैठक में स्कूल भवनों, अस्पताल, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, आँगनबाड़ी भवनों, पंचायत भवनों में बनाये गए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जानकारी दी गई। जल संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि जलशक्ति केन्द्रों का निरीक्षण कर जानकारी उपलब्ध करवाई जाये। पीएचई विभाग को निर्देश दिये गये कि आँगनबाड़ी केंद्र एवं स्कूलों में हैण्डपम्प के पास जल संवर्धन के लिए बनाये जा रहे रीचार्ज पिट को शीघ्र पूरा किया जाये।

शहडोल कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के तीनों जिलों में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के सभी कार्य बरसात के पहले पूरा करने के निर्देश दिये हैं। उन्होने कहा कि जल संरचनाएं, पुराने तालाबों का जीर्णोद्धार, नए अमृत सरोवरों का निर्माण, निर्मल नीर, खेत तालाब, कुओं की सफाई एवं रिचार्ज की व्यवस्था हैण्डपंपों के पास जल संरक्षण कार्य, पुरानी बावड़ियों का जीर्णोद्धार सहित सभी कार्य 20 जून तक पूरे किए जाएं।

जल गंगा संवर्धनः सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रयास है सदानीरा समागम

■ 20 से 25 जून 2025 तक भारत भवन में होंगे विविध वैचारिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम

विजय मत, भोपाल

16 जून 2025, भोपाल। भारत की सांस्कृतिक चेतना में जल केवल भौतिक वस्तु नहीं, बल्कि जीवन की धारा, आस्था और स्मृति का स्रोत रहा है। वैदिक ऋचाओं में जल को पवित्र कहा गया है–आपः स्वस्ति नः पवित्रं पुष्टिं रसायनम। जल गंगा संवर्धन अभियान में सदानीरा समागम एक व्यापक और जीवंत प्रयास है, जो हमारी सांस्कृतिक स्मृतियों को फिर से प्रवाहित करने का संकल्प है। समागम हमारी लोकसंस्कृति, पर्व-त्योहारों, तीर्थों और भावनात्मक जुड़ाव की आधारशिला हैं। यह समागम केवल जल-संरक्षण नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का भी प्रयास है। यह विज्ञान और परंपरा, आस्था और व्यवहार का समन्वय है। जनभागीदारी से जलस्रोतों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन और पारंपरिक जल संरचनाओं का पुनरुद्धार इस अभियान का

मुख्य उद्देश्य है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत छः दिवसीय सदानीरा समागम वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित किया जा रहा है। समागम का शुभारंभ भारत भवन में 20 जून को सायं 6 बजे माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धमेन्द्र सिंह लोधी द्वारा की जायेगी। 25 जून तक चलने वाले इस समागम में प्रवाह फिल्म समारोह, लय, ताल और जल पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम, नदी आधारित कविताओं का पुनर्पाठ नदीनामा, प्रकाशन लोकार्पण, जल संरक्षण व संवर्धन पर आधारित प्रदर्शनियाँ, कार्याशालाएँ संयोजित की जा रही है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच हो रहे जी-7 से उम्मीदें

रटंत तोते की तरह दुनिया के अधिकांश देशों के कर्ता-धर्ता बुलंद आवाज में यह तो कहते सुने जाते हैं कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता, लेकिन फिर भी इस युद्ध रुपी जाल में वही फंसते हुए दिख जाते हैं। यदि यकीन नहीं होता तो पिछले दो दशक के आंकड़े उठाकर देख लें, यकीन हो जाएगा। अधिकांश देश अपनी सीमा के अंदर और सीमा पार से उपजती समस्याओं का समाधान बातचीत से निकालने की बजाय एक-दूसरे पर हिंसक कार्रवाई करने से गुरेज नहीं कर रहे हैं। कहने को वर्तमान में अमेरिका की विश्व स्तर पर चौधराहट कायम है, लेकिन जिस तरीके से ट्रंप सरकार व्यापारिक लाभ को आगे रखकर फैसले ले रही है, उससे दुनियां के देश शांति का रास्ता छोड़ हिंसा की राह अपनाने को मजबूर होते चले जा रहे हैं। फिर चाहे मामला अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व शासनकाल की बात हो या फिर वर्तमान में लिए जा रहे कल्पनातीत फैसले हों। इससे हटकर एक तरफ रुस और यूक्रेन के बीच एक लंबा युद्ध का इतिहास लिखा जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा का जो हाल किया, उसे देख दुनियां कराह उठी है। नौनिहाल बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों समेत बीमार लोगों की बड़ी तादात इजराइली हमलों में इस दुनियां को सदा के लिए अलविदा कह चुकी है। खूबसूरत दिखने वाले मकानात और शहर के शहर खंडहर हो चुके हैं। अब खाने-पीने और इलाज नहीं होने के कारण नई आपात स्थिति निर्मित हो गई है। इसलिए कहा जा रहा है कि इस समय यदि किसी को दुनियां में क्रूरता के साथ इंसानियत कुचलने का प्रमाण देखने का दिल करे तो वह गाजा का दौरा कर सकता है। इस हिंसा का कोई अंत नहीं है, क्योंकि जब सोच कत्लेआम की हो जाए तो खून भी पानी हो जाता है और मानव कीड़े-मकोड़ों की तरह नजर आने लगते हैं। इसी बीच इजराइल ने संभवत- दुनियां का ध्यान गाजा से हटाने के लिए ईरान पर यह कहते हुए हमला किया कि उसे परमाणु संपन्न देश बनने नहीं दिया जाएगा।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

भारत में मोबाइल प्रयोग का बच्चों पर पड़ता दुष्प्रभाव

डॉ. शैलेश शुक्ला

आधुनिक युग में मोबाइल फोन अब केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों की दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न अंग बन चुका है। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में, माता-पिता अपने कार्य में व्यस्त रहते हुए बच्चों को मोबाइल फोन थमा देते हैं ताकि वे शांत और व्यस्त बने रहें। लेकिन यह सुविधा अब एक गंभीर समस्या का रूप लेती जा रही है। वर्ष 2023 में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेस (NIMHANS) द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 10 से 17 वर्ष की आयु के बच्चों में से लगभग 31.4 प्रतिशत बच्चे किसी न किसी मानसिक तनाव या चिंता का सामना कर रहे हैं, जिनमें से अधिकांश का कारण स्क्रीन समय का अत्यधिक बढ़ना है। मोबाइल फोन के कारण बच्चों की एकाग्रता में गिरावट, चिड़चिड़ापन, और आक्रामक व्यवहार तेजी से बढ़ रहा है।

> इन मानसिक समस्याओं का असर बच्चों के भावनात्मक विकास पर भी पड़ता है। वे धीरे-धीरे परिवार और समाज से कटने लगते हैं। माता-पिता की अनुपस्थिति में स्क्रीन ही उनका साथी बन जाती है, जो उन्हें स्वाभाविक संवेदनाओं से दूर कर देता है। डिजिटल दुनिया में हर समय उपलब्ध रहने की आदत बच्चों के सोचने-समझने और निर्णय लेने की शक्ति को कमजोर कर रही है। यह स्थिति सामाजिक व्यवहार की जड़ों को कमजोर करती है और बच्चे आभासी दुनिया में खो जाते हैं, जिससे आत्म-संयम, आत्म-निर्भरता और जिम्मेदारी जैसे गुण विकसित नहीं हो पाते।

ऑनलाइन गेमिंग, सोशल मीडिया और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म बच्चों के दिमाग पर लगातार उत्तेजक सामग्री डालते हैं, जिससे वे वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में सामंजस्य बिठाने में अक्षम हो जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 2019 में Gaming Disorder को मानसिक विकार के रूप में मान्यता दी थी। इस संदर्भ में 2021 में लांसेट साइकेट्री (The Lancet Psychiatry) द्वारा किए गए एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में पाया गया कि ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े बच्चों में असामाजिक व्यवहार, आत्म-केन्द्रित दृष्टिकोण और गुस्सैल प्रवृत्तियाँ अधिक देखने को मिलीं। भारत के संदर्भ में AIIMS दिल्ली के एक शोध (2022) में बताया गया कि 12 से 16 वर्ष के किशोरों में से 33.1 प्रतिशत बच्चे डिप्रेशन से पीड़ित हैं, 24.9 प्रतिशत को चिंता रहती है और 56 प्रतिशत बच्चों में व्यवहारिक उतावलापन या चिड़चिड़ापन देखा गया है - जो सीधे तौर पर मोबाइल के अनियंत्रित उपयोग से जुड़ा है। मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रयोग का सबसे प्रत्यक्ष दुष्प्रभाव बच्चों की नींद पर पड़ता है। ब्लू लाइट का प्रभाव नींद के हार्मोन मेलाटोनिन (Melatonin) को बाधित करता है, जिससे बच्चों को सोने में कठिनाई होती है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU), लखनऊ की 2022 की एक रिसर्च के अनुसार, मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट बच्चों की नींद की गुणवत्ता को 58 प्रतिशत तक घटा सकती है, जिससे वे दिन भर थकान, एकाग्रता की कमी और चिड़चिड़ेपन का अनुभव करते हैं। नींद की कमी बच्चों के विकास को भी प्रभावित करती है। राष्ट्रीय शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) के अनुसार, 6 से 14 वर्ष के बच्चों को प्रतिदिन कम से कम 9-10 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है, लेकिन मोबाइल पर अधिक समय बिताने वाले बच्चों में यह औसत केवल 6 से 7 घंटे तक ही सीमित रह जाता है। नींद की कमी न केवल मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि शारीरिक विकास, इम्यूनिटी और मेमोरी निर्माण को भी बाधित करती है।

इसके साथ ही, मोबाइल का अत्यधिक उपयोग बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। वर्ष 2023 में इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा प्रकाशित एक शोधपत्र में बताया गया कि मोबाइल पर अधिक समय बिताने वाले बच्चों में मोटापा 18 प्रतिशत अधिक पाया गया। क्योंकि ये बच्चे शारीरिक गतिविधियों से कट जाते हैं, जिससे उनका मेटाबोलिक रेट कम हो जाता है। इसके अलावा, आंखों पर अत्यधिक जोर पड़ने से आंखों की मांसपेशियों में तनाव, दृष्टि में धुंधलापन और ड्राई आई सिंड्रोम जैसे लक्षण भी देखने को मिलते हैं। ऑल इंडिया ऑप्थाल्मोलॉजी सोसाइटी की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, मोबाइल का 3 घंटे से अधिक उपयोग करने वाले 10 में से 6 बच्चों में आंखों की सूजन, जलन और धुंधलेपन की समस्या पाई गई। शारीरिक निष्क्रियता के कारण बच्चों में हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी बीमारियाँ भी प्रारंभिक अवस्था में विकसित हो रही हैं, जो पहले वयस्कों में देखी जाती थीं। ICMR (Indian Council of Medical Research) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, 12 से 18 वर्ष के 14 प्रतिशत बच्चों में ब्लड प्रेशर सामान्य से अधिक पाया गया, जिनमें से अधिकांश का स्क्रीन टाइम प्रतिदिन 5 घंटे से अधिक था। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग बच्चों की पढ़ाई और शैक्षिक उपलब्धियों पर भी नकारात्मक असर डाल रहा है। जहां एक ओर डिजिटल शिक्षा एक क्रांतिकारी कदम माना गया, वहीं दूसरी ओर इसका अनियंत्रित प्रयोग बच्चों की बौद्धिक क्षमताओं को प्रभावित कर रहा है। AIIMS दिल्ली द्वारा 2022 में किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि 10 से 16 वर्ष के छात्रों में से 48.7 प्रतिशत छात्रों ने स्वीकार किया कि मोबाइल की वजह से वे होमवर्क और पढ़ाई से ध्यान भटकाते हैं। यही नहीं, CBSE द्वारा 2023 में किए गए एक सर्वे में बताया गया कि 12वीं के छात्रों में से 41 प्रतिशत ने परीक्षा की तैयारी के समय भी गेमिंग या सोशल मीडिया का उपयोग करना बंद नहीं किया। मोबाइल फोन की आदत बच्चों में सतही ज्ञान का विकास करती है, जहां वे केवल जानकारी की खोज करते हैं, लेकिन गहराई से अध्ययन नहीं करते। गूगलिंग की आदत उन्हें स्वयं सोचने और समस्याओं को सुलझाने की प्रक्रिया से दूर करती है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की एक रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि मोबाइल पर पढ़ाई करने वाले छात्रों में आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक क्षमताएं 22 प्रतिशत तक कम होती हैं, जो पारंपरिक पढ़ाई करने वाले छात्रों की तुलना में कम होती हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

जैनरिक दवा मैडिकल माफियाओं के गिद्ध दृष्टि की गिरफ्त

विनोद कुमार सिंह

माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने एक मई 2025 को मौखिक रूप से टिप्पणी की है कि यदि डॉक्टरों को केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखने के लिए विधिक रूप से बाध्य किया जाए,तो फार्मा कंपनियों द्वारा महंगी ब्रांडेड दवाओं के प्रचार हेतु डॉक्टरों को दी जाने वाली कथित घूस की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना जन औषधि केन्द्र के माध्यम से आम जनता को दस्ती व अच्छी दवा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है,लैकिन यथार्थ की घरातल पर इस योजना का नजारा कुछ और ही है।आपको बता दे कि भारत में जेनेरिक दवा बेचने के 9500 से भी अधिक जन औषधि केन्द्र हैं।इन अधिकत्तर केन्द्रों में नागरिकों को जेनेरिक दवा नहीं मिल रही है।अगर कहीं जेनेरिक दवा उपलब्ध है भी तो डॉक्टरों तथा निजी दवा कंपनियों का गठजोड़ उन जेनेरिक दवा का प्रयोग के रास्ते में बड़ा बाधक बन रहा है। 60 श्रेणी की 60,000 किस्म की दवाइयां उन औषधि केन्द्रों के लिए बनाई जाती है,फिर भी ब्रांडेड औषधि के मुकाबले जेनेरिक औषधियों का उत्पादन हिस्सा मात्र डेढ़ प्रतिशत ही है। जो इस बात का पुष्टि करता है कि आज भी ब्रांडेड फार्मा कंपनियों का ही बाजार में बोलबाला है।सर्व विदित रहें फार्मा कम्पनी दवा के नाम पेटेंट करा कर ऊँची कीमत पर बेचती हैं,जबकि जेनेरिक दवा 40 से 90 प्रतिशत तक कम मूल्य पर उपलब्ध हैं।उदाहरण के तौर पर क्रॉसिन व डोलो का शुद्ध साल्ट पेरासिटामोल है किन्तु पेटेंट नाम होने से साल्ट कई गुणा ऊंची कीमत पर बिकता है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिकित्सकों को जेनेरिक औषधियां मरीज के पर्चे पर लिखने की सलाह दी तो इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई एम ए)ने आसमान सिर पर उठा लिया।पूरे देश में जेनेरिक औषधियों के विरुद्ध एक अभियान चलाया गया।मरीजों और उनके रिस्तेदारों को यह बताया गया कि जेनेरिक दवायें बकवास हैं,30 प्रतिशत भी असरदार नहीं।खासकर कैंसर व हार्ट रोग की जेनेरिक दवाइयां तो बिल्कुल बेअसर है।भारत सरकार की जेनेरिक दवा योजना को डॉक्टरों व दवा कंपनियों के साथ गठजोड़ कर रखा है।इसी कारण तमाम डाक्टरों ने मिलकर भारत सरकार में स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह को रद्दी की टोकरी में डाल दिया है।आश्चर्य है कि सरकारी अस्पताल के डॉक्टर्स भी पर्ची पर ब्रांडेड दवाइयों के नाम लिखते हैं जबकि उन्हे स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जेनेरिकऔषधि को प्रिस्क्राइब करने के आदेश हैं।कई नीजी अस्पताल मे सरकारी डॉक्टर अपना प्राइवेट प्रैक्टिस करते हैं,जिन्होंने अपने निजी क्लीनिक पर स्वयं मेडिकल स्टोर खोल रखा है या खुलवा रखा है,वहां जेनेरिक औषधि नहीं,केवल ब्रांडेड दवायें ही मिलती है।अधिकांश जन औषधि केन्द्रों पर दवाओं की उपलब्धता नहीं होती।80 प्रतिशत ऐसा ही होता है।जिला अस्पताल के सामने एक मेडिकल स्टोर पर भी जन औषधि केन्द्र का बोर्ड लटका है।वहां भी जेनेरिक दवाइयां कम ही उपलब्ध हैं।देश के किसी भी कोने में जाएं जेनेरिक दवा की योजनान को धंधेबाज पूरी तरह से हजम कर चुके हैं।नीजी अस्पतालों,क्लिनिकों तथा नर्सिंग होम का और भी बुरा हाल है।कुछ डॉक्टर्स ऐसे भी हैं जिनकी लिखी दवा उनके ही मेडिकल शॉप में मिलेगी या फिर किसी खास दवाई दुकान में।अगर कोई मरीज जेनरिक दवा खरीद कर पैसा बचाना भी चाहे तो वो ऐसा नहीं कर सकता।कई मेडिकल स्टोर में इन दवाइयों पर छूट दी जाती है लेकिन यहां पर कुछ डॉक्टर के प्रिस्क्राइब दवा नहीं मिलने में परेशानी होती है।इस संदर्भ मे *माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने एक मई 2025 को मौखिक रूप से टिप्पणी की है कि यदि डॉक्टरों को केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखने के लिए विधिक रूप से बाध्य किया जाए,तो फार्मा कंपनियों द्वारा महंगी ब्रांडेड दवाओं के प्रचार हेतु डॉक्टरों को दी जाने वाली कथित घूस की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है न्यायमूर्ति विक्रम नाथ,न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की खंडपीठ इस विषय पर दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी,जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि दवा कंपनियां व्यवसाय बढ़ाने और महंगी व अनावश्यक दवाओं को लिखवाने के लिए डॉक्टरों को घूस देती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दवा कंपनियों से जुडी याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है।इस याचिका में दवा कंपनियों पर मनमानी का आरोप लगाया गया था।सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने कहा कि ÷राजस्थान में अब एक कार्यपालक आदेश है कि प्रत्येक डॉक्टर को केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखनी चाहिए।सुप्रीम कोर्ट के इस मौखिक निर्देश का भी डाक्टरों तथा प्राइवेट कंपनियों ने मजाक बना कर रखा है।मेडिकल माफिया का खुला चालेंजहै कि वह भारत में जेनेरिक दवा नहीं बिकने देंगे।कुल मिला प्रधान मंत्री की महत्वाकांक्षी जेनेरिक दवाओं योजना पर मेडिकल माफिया की गिद्ध दृष्टि गिरफ्त हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

> 60 श्रेणी की 60,000 किस्म की दवाइयां उन औषधि केन्द्रों के लिए बनाई जाती है,फिर भी ब्रांडेड औषधि के मुकाबले जेनेरिक औषधियों का उत्पादन हिस्सा मात्र डेढ़ प्रतिशत ही है। जो इस बात का पुष्टि करता है कि आज भी ब्रांडेड फार्मा कंपनियों का ही बाजार में बोलबाला है।सर्व विदित रहें फार्मा कम्पनी दवा के नाम पेटेंट करा कर ऊँची कीमत पर बेचती हैं,जबकि जेनेरिक दवा 40 से 90 प्रतिशत तक कम मूल्य पर उपलब्ध हैं।उदाहरण के तौर पर क्रॉसिन व डोलो का शुद्ध साल्ट पेरासिटामोल है किन्तु पेटेंट नाम होने से साल्ट कई गुणा ऊंची कीमत पर बिकता है।

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

ललित गर्ग

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य' है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा। स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं-खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8400

1		■	2		3	■	4	5
	■	6		■	7	8	■	
9	10		■	11	■	12	13	
■		■	14		15	■		■
16				■	17			
■		■	18	19		■		■
20		21	■		■	22		23
	■	24	25	■	26		■	
27		■	28			■	29	

बाएँ से दाएँ

1. भीगा हुआ-2
2. गाने वाला-3
4. दिया, चिराग-2
6. केश-2
7. जिससे ताला खुलता है-2
9. सूरमा -3
12. नख-3
14. तेरह गुणा चार-3
16. एक जैसा तल-4
17. दरवाजे की आवाज-2,2
18. कड़ा, तेज-3
20. आँखों के ऊपर की परत-3
22. साधुवाद देना, वाह-वाह-3
24. पुत्र, एक रंग-2
26. तुम का आदर सूचित शब्द-2
27. पत्र-2
28. आश्चर्य-3
29. तट, किनारा-2

ऊपर से नीचे

1. छोटा गीत-3
2. मुँह के दोनों ओर का भाग-2
3. जो पका न हो-2
5. हवा, वायु-3
6. बच्चा, बालक-2
8. वीणा, एक वाद्य-2
10. जितेन्द्र व रेखा की एक फिल्म-2,3
11. मूल्य, दर-2
13. मारकाट-5
14. बच्चा-3
15. नाज, अदा-3
19. पंजाब की एक नदी-2
20. जांच-पड़ताल-3
21. हुनर-2
22. बददुआ-2
23. नगर-3
25. बेल, कोमल लम्बा पौधा-2
26. फूलों का प्राकृतिक रस-2

शब्द पहेली-8399 का हल

त	मा	शा	ई	■	ह	जा	म	त
ल	ता	■	मा	ज	रा	■	त	ह
वा	■	■	न	■	र	न	■	री
र	ह	न	■	न	त	म	स्त	क
■	■	शे	■	य	■	की	■	■
ना	मु	म	कि	न	■	न	मा	ज
वा	■	न	फा	■	स	■	■	रु
कि	म	■	य	म	न	■	द	र
फि	त	र	त	■	क	रा	मा	त

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.06 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	07.24 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.40 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.52 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.03 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.17 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.33 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.38 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.25 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मीन	23.58 बजे से
		मेष	01.28 बजे से
		वृष	03.08 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 168 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि षष्ठी 14.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 01.02 बजे रात्र को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 09.34 बजे को समाप्त।
करण वणिज 14.47 बजे तदनन्तर विष्टि 02.15 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 23'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872378
जूलियन दिन 2460843.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 20

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक		काल	05.42 से	07.13 बजे तक	
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक		लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक	
चर	08.15 से	10.19 बजे तक		उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक	
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक		शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक	
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक		अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक	
काल	01.16 से	02.45 बजे तक		चर	01.19 से	02.51 बजे तक	
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक		रोग	02.51 से	04.22 बजे तक	
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक		काल	04.22 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

कुपोषण से मुक्ति अभियान का प्रभावी संचालन करने के आयुक्त ने दिए निर्देश

शहडोल। संभाग के तीनों जिलों में कुपोषण से मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उददेश्य कुपोषित तथा अतिकुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें कुपोषण से मुक्ति दिलाना है। आयुक्त शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने आंगनवाड़ी केन्द्र स्तर पर बच्चों के वजन एवं लम्बाई नाप कर कुपोषित एवं अतिकुपोषित बच्चों की पहचान करने के बाद स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से चिकित्साकों की परामर्श से उन्हें एनआरसी में भर्ती कराया जाए। आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों को समय पर नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराया जाए। शासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों को कुपोषण से मुक्ति दिलाने हेतु 6 प्रकार की दवाई उपलब्ध कराई जाती हैं। चिकित्सकों की परामर्श से कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में आने तक ये दवाई उनके अभिभावकों को उपलब्ध कराकर उनका सेवन सुनिश्चित कराया जाए। बच्चों को पौष्टिक आहार नाश्ता तथा भोजन का वितरण हो तथा गर्भवती माताओं को (टीएचआर) टेक होम राशन भी वितरित कराया जाए। जिन क्षेत्रों में कुपोषण की अधिक शिकायत हो वहां दल भेजकर कारणों का पता लगाया जाए तथा विशेष दल लगाकर मानीटरिंग की जाए। बैठक में कलेक्टर शहडोल डॉ. केदार सिंह, कलेक्टर उमरिया धरणेंद्र जैन, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमरिया अभय सिंह, अनूपपुर तन्मय वशिष्ट, शहडोल नरेन्द्र सिंह, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे।

16 जून से 15 अगस्त की अवधि में कलेक्टर ने अवैधानिक मत्स्याखेट, परिवहन, क्रय-विक्रय किया प्रतिबंधित

शहडोल। म.प्र. नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा-3(2) के अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त 2025 तक की अवधि को बंद ऋतु घोषित किया गया है, इस अवधि में मत्स्याखेट पूर्णतः निषेध किया गया है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने उक्त अवधि में जिले की संपूर्ण सीमा क्षेत्र में तालाबों, जलाशयों, नदियों एवं नालों में अवैधानिक मत्स्याखेट, परिवहन, क्रय-विक्रय आदि कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित किया है। उन्होंने कहा है कि बंद ऋतु की अवधि में अवैधानिक मत्स्याखेट, परिवहन, क्रय-विक्रय आदि कार्य करते पाये जाने पर संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध अधिनियम प्रावधानों एवं शासन निर्देशों के अंतर्गत म.प्र. मत्स्योद्योग अधिनियम 1981 की धारा 5 की उपधारा (5) के तहत उल्लंघनकर्ता को दोषी पाये जाने पर 01 वर्ष का कारावास या 5000 रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों से (01 वर्ष का कारावास एवं 5000 रुपये तक का जुर्माना) दंडित किया जाएगा।

गर्मी में श्रमिकों की सुरक्षा कैसे करे

शहडोल। स्वास्थ्य विभाग व्दारा गर्मी के दिनों में कार्यस्थलों पर श्रमिक अपनी सुरक्षा कैसे करें, के संबंध में एडवायजरी जारी की गई है। एडवायजरी के माध्यम से बताया गया है कि कार्यस्थल पर ठंडा पीने का पानी एवं धूप से बचने के लिए छायादार स्थान या ठंडा कमरा उपलब्ध कराएं। अपने क्षेत्र में जारी होने वाले अधिक गर्मी/लू सम्बंधित पूर्वानुमानों पर ध्यान दें। सुबह और शाम के ठंडे समय में ही ज्यादा मेहनत वाले काम करवाएं। अतिरिक्त कर्मचारी लगाकर काम का बोझ बांटें अथवा काम की गति को कम करे। बाहर के कार्य के दौरान विश्राम का समय बढ़ाएं। हर 1 घंटे के काम के बाद कम से कम 5 मिनट का आराम दें। गर्भवती महिलाएं, बीमार व्यक्ति और जो व्यक्ति लंबे समय से दवाइयां ले रहें है, वह गर्मी में ज्यादा परिश्रम करने से बचें। बढ़ती गर्मी के साथ श्रमिको को अनुरूप होने का मौका दें। गर्मी की ऋतु की शुरुआत में काम की मात्रा कम रखें और उसे धीरे धीरे बढ़ाएं।

40 साल पहले वर्ष 1985 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मोतीलाल बोरा ने किया था पुल का उद्घाटन

बाणसागर सोननदी पुल से एक माह तक बंद रहेगा आवागमन

बुढ़वा होकर वैकल्पिक मार्ग से आवागमन चालू है, परंतु जबरन आवाजाही के लिए जोर जबरजस्ती कर रही जनता

विजय मत, शहडोल

सोननदी में बाणसागर पुल का निर्माण 40 साल पहले हुआ था जिसका लोकार्पण वर्ष 1985 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मोतीलाल वोरा ने किया था। गुरूवार को पुल क्षतिग्रस्त हो जाने कारण शहडोल से रीवा एवं प्रयागराज को जोड़ने वाला यह पुल क्षतिग्रस्त हो गया जिसके कारण आवागमन अवरूद्ध हो गया। मप्र रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन के डिवीजन मैनेजर अवधेश स्वर्णकार ने दैनिक विजयमत को बताया है कि दो चार दिनों के अंदर क्षतिग्रस्त पुल की मरम्मत का कार्य पूरा हो जाएगा। खतरा जैसी कोई बात नहीं है और न ही चिंता करने की बात है परंतु एक महीना तक इस पुल के ऊपर से आवागमन को रोकना पड़ेगा। तब तक लोग वैकल्पिक मार्ग का उपयोग बुढवा होकर कर सकते हैं।

पुल का एक हिस्सा शहडोल जिले में तो दूसरा हिस्सा मैहर जिले में

बाणसागर पुल का एक हिस्सा शहडोल जिले में है तो दूसरा हिस्सा मैहर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में आता है। यह पुल शहडोल-रीवा मार्ग का मुख्य केन्द्र है जिससे होकर सतना, रीवा और उत्तरप्रदेश की यात्रा की जाती है। पुलिस ने कलेक्टर, एसपी, एसडीएम और एमपीआरडीसी के अधिकारियों को इस घटना की सूचना दे दी है। पुलिस ने दोनों तरफ बैरीकेट्स लगा दिए हैं। गाड़ियों को बुढ़वा होकर वैकल्पिक रास्ते से भेजा जा रहा है।

नागरिकों से संभागायुक्त की अपील

संभागायुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि बाणसागर पुल का काम जब तक पूरा नहीं हो जाता तब तक पुल के ऊपर से आवाजाही न करें और प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा है कि एक माह तक जब तक कि कार्य पूरा नहीं हो जाता वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें

पिलर झुक जाने की बात अफवाह

एमपीआरडीसी के डीएम श्री स्वर्णकार ने पुल के एक पिलर झुक जाने की खबर को खारिज करते हुए इसे अफवाह बताया है । उन्होंने कहा कि हैवी व्हीकल के कारण स्लैब के बीच डेढ़ मीटर चौड़ा एवं आठ मीटर लंबा गैफ आ गया है। ज्वाइंट बदलना ही पड़ता है।

एमपीआरडीसी के अधिकारियों ने बताया कि पुल क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद दोनों तरफ पुलिस लगी है तथा मिट्टी का ढेर डालकर रास्ता बंदर कर दिया गया है। बैरीकेट्स लगे हैं फिर भी लोग नहीं मान रहे है और जबरन आवाजाही कर रहे हैं जिसके कारण मरम्मत कार्य में व्यवधान आ रहा है। साथ ही दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। लोग झगड़ा करने पर भी उतारू हो जाते हैं।

इनका कहना है

क्षतिग्रस्त पुल के मरम्मत का कार्य तो 4-5 दिनों में पूरा हो जाएगा परंतु स्लैब को सूखने में लगभग 1 माह का समय लगेगा इसलिए नागरिकों से अपील है कि वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें।

श्रीमती सुरभि गुप्ता
कमिश्नर शहडोल

पुल के स्लैब के बीच ज्वाइंट में डेढ़ मीटर चौड़ा एवं 8 मीटर लंबा गैफ आ गया है जिसकी मरम्मत करना है। हैवी व्हीकल के झटके से पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। दो चार दिन में मरम्मत कार्य पूर्ण हो जाएगा परंतु एक माह तक आवागमन बंद रखना पड़ेगा।

अवधेश स्वर्णकार डिवीजनल मैनेजर
एमपीआरडीसी

अब लोगों का आवागमन बंद हो गया है। क्षतिग्रस्त पुल के दोनों तरफ बैरीकेट्स लगा दिए गए हैं।

सुभाष दुबे,
थाना प्रभारी देवलोंद

तेज रफ्तार दो ट्रकों की टक्कर से ब्यौहारी बांधवगढ़ मार्ग में एक घंटा लगा जाम

दोनों ट्रकों के चालक

विजय मत, शहडोल

ब्यौहारी थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रकों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर ने क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया। इस घटना में दोनों वाहन के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और दोनों ट्रक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सड़क के बीचो-बीच हुई इस दुर्घटना ने बांधवगढ़ ब्यौहारी मार्ग में एक घंटे तक जाम लगा दिया।

घटना बांधवगढ़ मानपुर से ब्यौहारी मार्ग पर बसही के पास हुई, जहां दोनों ट्रकों की टक्कर ने सड़क पर यातायात को एक घंटे तक बाधित कर दिया। इससे राहगीरों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थानीय निवासियों ने तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा। एक घंटे तक मार्ग में जाम लगा था, जिससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बीच सड़क दोनों ट्रक आमने-सामने भीड़ गए थे। जिसे हटाने में एक घंटे का वक्त लग गया।

पुलिस के अनुसार एक ट्रक मानपुर से आ रहा था, जिसमें रेत लोड थी, जबकि दूसरा ट्रक रेत लेने जा रहा था। अचानक हुई टक्कर के कारण दोनों ट्रक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए पुलिस ने जेसीबी समेत अन्य उपकरणों की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया। जैसे ही सड़क पर से ट्रकों को हटाया गया, यातायात पुनः सामान्य होने लगा। घायल दोनों चालकों का उपचार ब्यौहारी सिविल अस्पताल में चल रहा है। घायल चालकों के नाम अभी सामने नहीं आए हैं। एक चालक की हालत गंभीर बताई गई।

मां का आंचल ही बन गया मासूम के गले का फंदा, गांव में शोक की लहर

विजय मत, शहडोल

पड़ोसी ने जब बालक को फंसा देखा तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मासूम की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। अभि अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया है। 6 वर्षीय बालक अभि उर्फ मनु बैगा, जो अपने घर के सामने स्थित आम के पेड़ में अपनी मां की साड़ी से बने झूले में झूल रहा था, जिसमे उसने अपनी जान गंवा बैठा। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार, अभि के पिता, मिर्रा बैगा, मजदूरी के काम के लिए घर से बाहर थे, जबकि घर के अन्य सदस्य अंदर थे। अभि का झूला झूलते समय उसका संतुलन बिगड़ गया और वह मां की साड़ी में फंस गया, जिससे उसकी गर्दन पर फंदा लग गया।

पुलिस ने बताया कि बालक के घर के सामने आम का पेड़ है,जिसमें वह अपने मां की साड़ी से एक झूला बनाया हुआ था और उसमें वह प्रतिदिन झूला करता था,झूला झूलते समय बालक अकेले था, तभी वह अनबैलेंस हो गया और साड़ी उसके गले में फंस गई और फंदा लगने से उसकी मौत हो गई है। पड़ोस के एक व्यक्ति ने जब बालक को झूले में फंसा देखा, तो वह तुरंत मदद के लिए दौड़ा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। स्थानीय निवासी रामु ने कहा कि यह घटना बहुत दुखद है। पूरा गांव इस घटना से सदमे में है।

बालक के पिता मिर्रा बैगा ने बताया कि मासूम अभि उनका इकलौता पुत्र था। उसका इस तरह से जाने से मेरा जीवन अधूरा हो गया है। घटना के बाद से मां गम में है। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जयसिंहनगर पुलिस ने बताया कि हमने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरूद्ध पुलिस की कार्यवाही

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा अवैध गतिविधियों मे संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही का निर्देश अधीनस्थ स्टाफ को दिया जा रहा है उसी क्रम मे शहडोल पुलिस को अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन करने वाले ट्रेक्टर मय रेत लोड ट्राली के जप्त की गई। थाना सीधी में कस्बा भ्रमण के दौरान सूचना मिली कि ग्राम दरैन निवासी गेन्दू महाराज एक ट्रैक्टर में अवैध रूप से रेत लोड कर दरैन से कुदरी तरफ जा रहा है।

जिस पर पुलिस द्वारा तस्दीक हेतु ग्राम चमरघटा ग्राम दरैन पहुंचे जहां एक ट्रैक्टर मय रेत लोड ट्राली के आते दिखा। जिसे घेराबंदी कर रोककर ट्रैक्टर चालक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम किशन सिंह गोंड पिता मुन्ना सिंह गोंड उम्र 24 वर्ष निवासी दरैन का होना बताया। चालक से रेत के संबंध में दस्तावेज मांगने पर उसने कोई वैधी दस्तावेज नही होना बताया। जिस पर पुलिस द्वारा ट्रैक्टर मय रेत लोड ट्राली के जप्त कर उक्त आरोपी चालक एवं वाहन मालिक गेन्दू महाराज उर्फ नागेन्द्र शुक्ला निवासी दरैन के विरूद्ध बीएनएस. एवं खनिज अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सीधी के नेतृत्व में उप निरीक्षक राकेश मिश्रा एवं सउनि0 दयाराम दुबे की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पुलिस ने कीअवैध शराब धरपकड़

शहडोल। शहडोल जिले में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध शराब के विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें।

अभियान के अंतर्गत दिनांक 15.06.25 को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी की गई, जिसमें कुल 03 स्थानों पर दबिश दी गई। उक्त कार्रवाई में 19 लीटर अवैध कच्ची शराब जोकि बिक्री करने के प्रयोजन से आरोपियों के कब्जे से जप्त की गई, उक्त मशरूका की कुल कीमत ?1,900 रु. है। सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई।

जल निगम परियोजना प्रबंधक के साथ मारपीट

सोन नदी के गहरे में पानी में नहाने से मना करने पर युवकों ने किया हमला

विजय मत, शहडोल

गोहपारू थाना क्षेत्र के सोनटोला में जल निगम के परियोजना प्रबंधक रोहित मिश्रा के साथ हुई मारपीट की घटना ने सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। शनिवार दोपहर जल निगम डैम का निरीक्षण करने गए प्रबंधक ने देखा कि कुछ युवक सोन नदी में गहरे पानी में नहा रहे थे, जोकि डूब क्षेत्र में आता है। जब उन्होंने युवकों को इस खतरनाक स्थिति के बारे में समझाया, तो वे गाली-गलौज पर उतर आए और उन पर हमला कर दिया।

पुलिस के अनुसार, घटना के दौरान मो. जुबैद और मो. वाहिद ने प्रबंधक के साथ मारपीट की, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, जबकि प्रबंधक ने गोहपारू थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

रोहित मिश्रा ने इस घटना के संबंध में कहा कि हम बारिश के मौसम में इस क्षेत्र का निरीक्षण करने आए थे, क्योंकि हमें लगातार शिकायत मिल रही थी कि लोग गहरे पानी में नहा रहे हैं, जिससे उनकी जान को खतरा हो सकता है। यह क्षेत्र प्रतिबंधित है और यहां का जलस्तर काफी गहरा है। यहां सैकड़ों की तादाद में लोग नहा रहे थे, उसमें महिलाएं बच्चे भी शामिल थीं। जब हमने लोगों को समझाने की कोशिश की तो उन्होंने हम पर हमला कर दिया। रोहित ने कहा कि हम तो लोगों की सुरक्षा को लेकर मौके पर पहुंचे थे और उन्हें समझाना चाह रहे थे कि यहां आपकी जान को खतरा हो सकता है, क्योंकि जहां पर लोग नहा रहे थे वहां काफी गहरा पानी है। हमें क्या पता था कि हमें लोगों को समझना महंगा पड़ जाएगा।

पुलिस ने इस मामले में शासकीय कार्य में बाधा डालने के अलावा अन्य धाराओं के तहत भी मामला दर्ज किया है। गोहपारू पुलिस ने कहा हम आरोपी युवकों की तलाश कर रहे हैं। प्रकरण का वीडियो सोमवार सुबह सामने आया है, जिससे इस घटना की गंभीरता और बढ़ गई है। इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे युवकों ने प्रबंधक के साथ मारपीट की है।

समस्या **बुढ़ार में सबसे ज्यादा 101 केंद्र बिना स्थायी भवन के, बच्चों के पोषण और शिक्षा पर संकट**

270 आंगनबाड़ी केंद्र किराए पर संचालित, हिलती नजर आ रही मासूमों के भविष्य की बुनियाद

विजय मत, शहडोल

जिले में संचालित कुल 1622 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 506 के पास अब तक अपना स्थायी भवन नहीं है। इनमें से अधिकांश केंद्र किराए के भवनों या अन्य अस्थायी जगहों पर संचालित हो रहे हैं, जहां बच्चों के लिए न तो पर्याप्त जगह है और न ही ज़रूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह स्थिति जिले के सामाजिक विकास की बुनियाद को कमजोर कर रही है।

जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति – जिले में कुल 1622 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहे हैं, जिनमें से 1116 केंद्र विभागीय भवनों में, 236 शासकीय भवनों में तथा 270 किराए के भवनों में चलाए जा रहे हैं। जिले की विभिन्न परियोजनाओं में जयसिंहनगर में सर्वाधिक 317 विभागीय भवन हैं, जबकि बुढ़ार में 278, ब्यौहारी में 164, सोहागपुर में 190, गोहपारू में 139 और शहरी शहडोल में मात्र 28 विभागीय भवन उपलब्ध हैं। किराए पर संचालित केंद्रों की संख्या सबसे अधिक बुढ़ार में 101 है, जो चिंता का विषय है। यह स्थिति दर्शाती है कि जिले में कई आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थायी भवनों की आवश्यकता है, जिससे बच्चों की शिक्षा, पोषण और समग्र विकास की प्रक्रिया प्रभावी रूप से संचालित हो सके।

बच्चों की शिक्षा और विकास में आ रही रुकावटें – आंगनबाड़ी केंद्रों का उद्देश्य बच्चों को पोषण, शिक्षा और सामाजिक संस्कार प्रदान करना होता है, लेकिन जब केंद्रों में बाउंड्री वॉल, खेल मैदान, शुद्ध जल, शौचालय और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं हों, तो यह उद्देश्य अधूरा रह जाता है। सीमित जगह और असुरक्षित माहौल बच्चों के मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक विकास में बाधा बनते जा रहे हैं।

किराए के भवनों में संचालित केंद्रों की गंभीर समस्याएं कई केंद्र बहुत ही तंग और अस्वस्थ वातावरण में चल रहे हैं, जहां बच्चों के खेलने की कोई व्यवस्था नहीं है। बारिश या गर्मी में बच्चों को अंदर बैठाना भी मुश्किल हो जाता है। कई केंद्रों में शुद्ध पेयजल और साफ शौचालय तक नहीं हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं।

सरकारी योजनाएं जारी, लेकिन रफ्तार धीमी–

हालांकि पीएम जनमन योजना के तहत जिले को 29 नए आंगनबाड़ी भवनों की स्वीकृति मिली है, लेकिन यह संख्या 506 केंद्रों की आवश्यकता के सामने बहुत कम है। निर्माण कार्य अभी प्रारंभिक चरण में है, और पूरी प्रक्रिया में अभी समय लगेगा।

इनका कहना है

यह सच है कि अनेक ऑगनबाड़ी केन्द्र किराए के भवनों पर संचालित हैं परंतु शासन द्वारा धीरे-धीरे शासकीय भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। जैसे-जैसे शासकीय भवन बनते जाएंगे वैसे-वैसे किराए के भवन से ऑगनबाडी केन्द्र शासकीय भवनों में शिफ्ट होते जाएगे।

मनोज लालोकर , जिला कार्यक्रम अधिकरी, महिला एवं बाल विकास विभाग

एक ही थानें पर पांच वर्षो से पदस्थ 120 पुलिस कर्मचारियों के किए गए स्थानांतरण

विजय मत, शहडोल

प्रशासनिक दृष्टिकोण से पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा निर्णय लेते हुए, पिछले पांच वर्षो से एक ही थाना में पदस्थ 120 कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया है। यह पुलिस विभाग की स्थानांतरण नीति के तहत नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसका उद्येश्य कार्यक्षमता में पारदर्शिता लाना, कर्मचारियों को नई जिम्मेदारियों का अनुभव देना तथा थानों में निष्पक्षता बनाए रखना है। पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेशानुसार, इन स्थानांतरणों में आरक्षक, प्रधान आरक्षक, सहायक उप निरीक्षक के पद पर तैनात कर्मचारियों को शामिल किया गया है, जो एक ही थाने मे विगत पांच वर्ष से तैनात थे। सभी स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और संबंधित अधिकारीगण को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय सीमा में अपनी नवीन पदस्थापना स्थल पर उपस्थिति दें।

पुलिस अधीक्षक थाना सोहागपुर का औचक निरीक्षण–पुलिस अधीक्षक 16 जून को जिला शहडोल के थाना सोहागपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, हवालात, मालखाने, रजिस्टर का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। अवैध गतिविधियों जैसे सटटा, जुआ, अवैध मादक पदार्थ, शराब अवैध हथियारों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

थाना परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई एवं विभिन्न मामलों में जप्त की गई दो पहिया एवं चार पहिया वाहन जो थाना परिसर में अनावश्यक रूप से खड़े हैं उनका विधि अनुरूप कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी सोहागपुर एवं समस्त थाना स्टाफ मौजूद रहा।

यूज़ इन शॉर्ट

1.300 ग्राम गांजा के साथ बाइक जब्त, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

अनूपपुर। बिजुरी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर 1 किलो 300 ग्राम गांजा को जब्त करने की कार्रवाई है। इस कार्रवाई में पुलिस ने गांजा तस्करी करने वाले युवक को भी गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी विकास सिंह ने बताया कि 14 जून को वाहन चेकिंग के दौरान सूचना मिली कि एक व्यक्ति बाइक क्रमांक सीजी 15 सीजेएड 8140 से बेलियाछोट तरफ से झोला में अवैध गांजा विक्रय करने की नियत से बिजुरी तरफ आ रहा है। जिस पर तत्काल कार्रवाई हुए वाहन चेकिंग में लगे पुलिस बल को खेडिया क्रेशर तिराहे पर घेराबंदी कर लगाया गया। इस दौरान बाइक के पहुंचने पर बाइक चालक को पुलिस अभिरक्षा में लेकर एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई। बाइक चालक शनि कुमार पिता कर्मवीर जोगी उम्र करीब 19 वर्ष के कब्जे से 1 किलो 300 ग्राम गांजा कीमत 12000 रुपए बरामद हुआ। जिसे मौके से जब्त करते हुए तस्करी में उपयोग बाइक कीमत करीब 1 लाख 25 हजार रुपए का मशरूका जब्त किया गया। वहीं आरोपी शनि के खिलाफ धारा 8/20बी एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश कर आदेश पर जेल भेजा गया है।

बिना बताए महिला घर से हुई लापता

कोतमा। कोतमा थाना अंतर्गत नवविवाहिता महिला के घर से बिना बताए गुमशुदगी का मामला सामने आया है। घटना की सूचना शनि भारिया के द्वारा थाना में गुम होने सूचना दर्ज कराई गई है। पुलिस के द्वारा गुम इंसान काम करते हुए महिला की तलाश में जगह-जगह प्रयास कर रही है। बताया जाता है कि दो माह पूर्व ही महिला की शादी हुई थी। ससुराल आने के बाद अचानक दोपहर में महिला घर से बिना बताए कहीं चली गई। जिसकी पता तलाश पास पड़ोस एवं संभावित रिश्तेदारों में किए जाने के बाद भी न मिलने पर थाने पहुंच शिकायत दर्ज कराई गई।

पति ने अपनी महिला मित्र के साथ मिलकर पत्नी की पिटाई, मामला दर्ज

कोतमा। कोतमा थाना अंतर्गत दुल्हिबांध गांव में पति पत्नी के बीच एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। जहां एक पति के द्वारा अपनी महिला मित्र के साथ मिलकर अपनी ही पत्नी के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। हल्ला पर गांव वालों के द्वारा बीच बचाव किए जाने के बाद दोनों लोगों के द्वारा दोबारा गांव में नजर आने पर पत्नी को जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। मारपीट से आहत महिला चंदा के द्वारा थाने में दर्ज कराई गई। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति सुरेश एवं अन्य महिला के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज करते हुए विवेचना में जुट गई है। बताया जाता है कि पूर्व में महिला के बीमार होने पर पति ने उसको मायके में छोड़ आया और वापस नहीं लाया। जिसके बाद महिला के द्वारा थाना एवं न्यायालय में प्रकरण लगाया गया। वर्तमान में आरोपी पति द्वारा न्यायालय के आदेश पर गुजारा भत्ता दिया जा रहा है। कुछ दिनों पूर्व गांव में एक सामाजिक कार्यक्रम में पत्नी के आने के दौरान उक्त विवाद हुआ और सामने आया। पूरे मामले को लेकर गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है।

पुष्पांजलि सोशल चैरिटेवल ने मरीजों को बांटा फल

सीधी। विगत नौ माह के अधिक समय से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया मे फल एवं बिस्किट का वितरण मरीजों को किया जा रहा है। उसी क्रम में आज सोमवार को अस्पताल पहुचे गरीब मरीजो को केला, संतरा के साथ-साथ दशहरी आम तथा ठंडा पानी वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र सिंह ने अपने उद्बोधन मे संस्था के पदाधिकारियो को इस पुनीत कार्य के लिए शुभकामनाएं दिया। अध्यक्षता करते हुऐ भाजपा नेता रामनरेश शुक्ल ने गरीबो के हित संवर्धन की बात कही तथा अषाढ सोमवार को इस पुनीत कार्य को किये जाने पर ईश्वरीय शक्ति का आशिर्वाद से धन धान्य पर कृपा होना बताया। श्री शुक्ल ने कहा कि किसी भी गरीब को कोई परेशान करेगा तो फाउंडेशन उसके साथ होगा।

हल्का पटवारी का कारनामा, पुस्तैनी जमीन में कर दिया गोलमाल

सीधी। शहर के पास लगे ग्राम पंचायत कुर्रवाह के मधुरी पवाई में एक ऐसा कारनामा सामने आया है जिसमें हल्का पटवारी रमेश साहू द्वारा पुस्तैनी जमीन एवं घर को दूसरे के नाम कर दिया गया। राजस्व प्रकरण क्रमांक 347/अ 27/2024-25 में पारित आदेश दिनांक 27 मार्च 2025 न्यायालय को गुमराह कर फर्जी तरीके से बटवारा पुल्ली कर हल्का पटवारी रमेश साहू एवं अन्य आरोपीगढ़ सुदामा पाण्डेय पिता जमुनाराम पाण्डेय, गौरा देवी पत्नी भोलाराम पाण्डेय, राजकुमार तनय भोलाराम पाण्डेय, देवकली पत्नी लक्ष्मण राम पाण्डेय, राधा पुत्री लक्ष्मण राम पाण्डेय, उर्मिला पत्नी कामता पाण्डेय ने मिलकर एक राय होकर उक्त प्रकरण में सम्मन सूचना व घोषणा में फर्जी हस्ताक्षर कर अनावेदक का कूटरचना एवं प्रतिरूपन करते हुए फर्जी हस्ताक्षर को सही बताकर तथा बटवारा फर्द पुल्ली में हल्का पटवारी बगैर फरियादी को सूचना दिए फर्जी हस्ताक्षर करवाकर न्यायालय को भी गुमराह किए हैं।

थाना प्रभारी के खिलाफ लगाये गये मुर्दाबाद के नारे, पुलिस भाजपा गठजोड़ का आरोप, कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

बिगड़ती कानून व्यवस्था पर कांग्रेस ने पुलिस थाना का किया घेराव

विजय मत, अनूपपुर

हाल के दिनों में कोतमा थाना क्षेत्र में विभिन्न गंभीर मामलों में पुलिस के उपर उठते सवालियां निशान और अपराधियों के खिलाफ नरमी कार्रवाई को लेकर सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कोतमा थाना का घेराव करते हुए प्रभारी के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। साथ ही कई मामलों में जल्द कार्रवाई किए जाने की अपील करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों ने कोताही बरतने पर जिलेभर में बड़ा जन आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। जिसके बाद सोमवार को पूरा दिनभर कोतमा क्षेत्र का माहौल पुन- गरमाया रहा। थाना परिसर में कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ थाना प्रभारी की बहसा-बहसी भी हुई। बताया जाता है कि हाल के दिनों में पुलिस अधीक्षक की विशेष स्वाक्यड टीम द्वारा पशु तस्कर मुख्य आरोपी बल्लू सहित एक अन्य की गिरफ्तारी और वाजिद के अबतक फरार होने के साथ शराब माफिया के गुर्गो द्वारा वाहन से युवक को कुचलने के प्रयास व रेत माफियाओं की बेलगाम उत्खनन और परिवहन से नाराज कांग्रेस नेताओं ने बिगड़ती कानून-व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए थाना परिसर का घेराव किया। जहां कांग्रेस के पूर्व विधायक सुनील सराफ, जिला अध्यक्ष रमेश सिंह, युवा जिला अध्यक्ष गुड्डू चौहान, वरिष्ठ नेता मनोज सोनी, अशोक त्रिपाठी, नीलू पांडे सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए ÷थाना प्रभारी मुर्दाबाद÷ के नारे लगाए और क्षेत्र में बढ़ते अपराधों को लेकर ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में क्षेत्र में सक्रिय अपराधों के पांच बड़े मुद्दों को चिन्हित करते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।

लगाया भाजपा-पुलिस गठजोड़ का आरोप

1 जून को गिरफ्तार पशु तस्कर बल्लू की एक साल की कॉल डिटेल सार्वजनिक करने की मांग करते हुए कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि इस गोरखधंधे में भाजपा के वरिष्ठ नेता शामिल हैं। इस रैकेट में शामिल सफेदपोशों की तत्काल गिरफ्तारी हो। वहीं 15 जून की रात शुक्ला ढाबे के पास शराब ठेकेदार के गुर्गों द्वारा एक युवक को जीप से कुचलकर मारने का किए गए प्रयास पर शराब माफिया के खिलाफ अब तक कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं की गई, जबकि युवक गंभीर रूप से घायल युवक जिंदगी-मौत से जूझ रहा है। इसके अलावा ज्ञापन में पिछले एक वर्ष में क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में जबरदस्त वृद्धि हुई है। बाइक चोरी, गृहभेदन, लूट और डकैती की घटनाएं आम हो गई हैं, और पुलिस की निष्क्रियता से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। जबकि रेत माफिया ने अप्रत्याशित दाम बढ़ाकर और अवैध उत्खनन कर क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। कांग्रेस ने खनिज विभाग और पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाया है और तत्काल रेत के दाम नियंत्रण में लाने और अवैध उत्खनन रोकने की मांग की है। क्षेत्र में जुए, सट्टे और गांजे का कारोबार खुलेआम चल रहा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह सब पुलिस के संरक्षण में हो रहा है और युवा पीढ़ी को बर्बादी की ओर धकेला जा रहा है।

अपराधियों का पक्ष पुलिस पर पड़ा भारी

कोतमा थाना क्षेत्र में अपराधियों का ताडंव इतना होगा इसका अंदाजा स्वयं पुलिस को भी नहीं रहा। जिसके कारण पिछले एक माह दौरान तीन बड़ी वारदात हुई और पुलिस सवालों के घेरे में घिर गई। माना जाता है कि पशु तस्कर बल्लू की गिरफ्तारी के दूसरे दिन पुलिस हिरासत में बल्लू का पत्रकारों पर वसूली के आरोप वाली वीडियो वायरल पुलिस की बड़ी चूक रही। क्योंकि इनमें कुछ पत्रकारों के नाम के अलावा अन्य सरंक्षकों के नाम हटा दिए गए। नतीजा पिछले डेढ़ माह से पशु तस्करी में गिरफ्तार सरगना बल्ल का भाई वाजिद अब तक पुलिस कस्टडी में नहीं आ सका। इसके अलावा 12 जून को जुआ के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस कर्मियों को आरोपी और उसके परिजनों द्वारा घर बंद कर मारपीट करने की घटना को अंजाम दिया गया। वहीं15 जून को शराब ठेकेदार के गुर्गे द्वारा शहर में बवाल मचाते हुए वाहन से युवक को कुचलने का प्रयास किया। बावजूद पुलिस इस मामले में गुर्गो की गिरफ्तारी के अलावा अन्य कार्रवाई नहीं कर सकी है। यानी यहां पुलिस का अपराधियों पर कोई खौफ नही है? लगता है कोतमा पुलिस का अपराधियों का पक्ष और उनकी चाटुकारिता करना उनपर ही भारी पड़ गया है।

इनका कहना है

कांग्रेस के द्वारा विभिन्न मुददो को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था, जिसमें पशु तस्करी, शराब, पुलिस विधि व्यवस्था सहित अन्य मुददे शामिल हैं। परिसर में पुलिस के साथ विवाद उचित नहीं था। हम मुद्दों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेंगे।

सुमित केरकेट्टा
एसडीओपी कोतमा

बोलेरो से युवक को कुचलने के मामले में 24 घंटे में तीन आरोपी गिरफ्तार, बोलेरो वाहन भी जब्त

कोतमा पुलिस की त्वरित कार्रवाई, घटना के पीछे शहडोल के युवकों की संलिप्तता उजागर

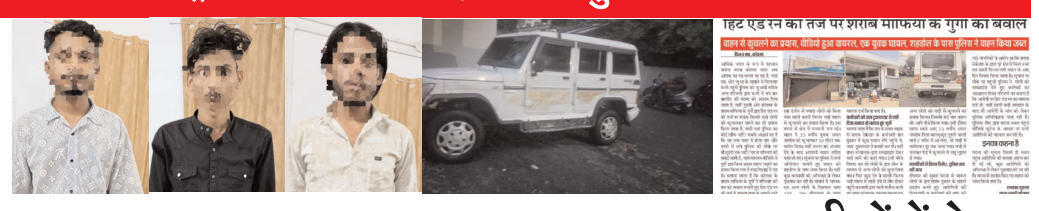

विजय मत, अनूपपुर

कोतमा थाना क्षेत्र के शुक्ला ढाबा के पास बीते 15 जून की रात हुई जानलेवा वारदात में पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने शहर के युवक अमन नामदेव को बोलेरो वाहन से कुचलने की नीयत से टक्कर मारी थी और लगभग 30-40 कदम तक घसीटते हुए फरार हो गए थे। वारदात में घायल अमन नामदेव को गंभीर चोटें आई हैं और उनका इलाज जारी है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वारदात के बाद थाना कोतमा में अपराध क्रमांक 275/25 धारा 296, 109 भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। जांच में आरोपियों की पहचान शहडोल जिले के संदीप साहू (निवासी - बहरहा, थाना गोहपारू), कुलदीप यादव (निवासी - ग्राम तगावर, थाना ब्यौहारी), और शिवम सिंह (निवासी - ग्राम बसनगरी, थाना जयसिंहनगर) के रूप में हुई।

कोतमा थाना प्रभारी निरीक्षक रत्नांबर शुक्ला के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की बोलेरो और एक मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल वारंट के माध्यम से जिला जेल अनूपपुर भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक सुखीनंद यादव, प्रधान आरक्षक रामखेलावन यादव, विवेक त्रिपाठी, युजिन लकड़ा, संजय द्विवेदी और अभय त्रिपाठी की विशेष भूमिका रही।

स्थानीयों में रोष

इस घटना से कोतमा नगर में आक्रोश का माहौल है। नागरिकों का कहना है कि इस प्रकार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे युवाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। वहीं पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई से लोगों में कुछ हद तक भरोसा लौटा है।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए गश्त बढ़ा दी गई है।

मोबाइल धारकों के 5 गुम मोबाइल को पुलिस ने खोज वापस लौटाया

विजय मत, अनूपपुर

रामनगर थाना पुलिस टीम ने मोबाइल धारकों के गुम हुए 5 मोबाइलों को खोजबीन करते हुए कागजी कार्रवाई बाद पुन- उन्हें वापस लौटा दिया है। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया कि रामनगर थाना में दर्ज गुम मोबाइलों की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सीईआइआर पोर्टल के माध्यम से मोबाइलों को ट्रैक कर पुन- बरामद किया। सोमवार को थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस द्वारा गुमशुदा मोबाइलों को उनके वास्तविक मालिकों को सौंपा गया। पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी का मोबाइल गुम हो जाए, तो निकटतम थाना जाकर सूचना दर्ज कराएं ताकि सीईआइआर पोर्टल के माध्यम से उन्हें सहायता प्रदान की जा सके।

थाना प्रभारी बदलते ही पकड़ाए अवैध कोयला कारोबारी

तीन ट्रक जप्त करने की कार्यवाही से मचा हड़कंप

विजय मत, अनूपपुर

थाना बहरी पुलिस द्वारा अवैध कोयला परिवहन कर रहे तीन ट्रकों पर कार्यवाही कर अवैध कोयला सहित लगभग 87 लाख रुपए का मशरुका जप्त किया गया है। थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राजेश पाण्डेय के नेतृत्व में 16 जून 2025 को बहरी पुलिस द्वारा रात्रि गश्त व कोम्बिंग गश्त के दौरान तीन अलग-अलग कार्यवाहियों में तीन ट्रकों सहित अवैध कोयला जप्त किया गया। थाना प्रभारी बहरी अपने हमराह स्टाफ के साथ कस्बा एवं देहात क्षेत्र में रात्रि गश्त में रवाना हुए थे। इसी दौरान मुखबिर से प्राप्त सटीक सूचना पर पाठक ढाबा, बाईपास बहरी के पास तीन संदिग्ध ट्रकों को रोका गया। चेक करने पर ट्रकों में बिना वैध दस्तावेज के कोयला परिवहन पाया गया। ट्रक क्रमांक यूपी 65 एलटी 0047 के चालक राजकुमार साकेत पिता स्व बालक साकेत उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम कुवारी विकासनगर थाना पिपरी जिला सोनभद्र उप्र, ट्रक क्रमांक यूपी 64 एटी 3175 के चालक रवि कुमार कश्यप पिता रामदास कश्यप उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम मधुपुर रॉबर्ट्सगंज थाना सुकृरू जिला सोनभद्र उप्र, ट्रक क्रमांक यूपी 64 एटी 2464 चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। उक्त कार्यवाही में कोयला अनुमानित मूल्य 5 लाख रुपए, 3 नग ट्रक जिनकी अनुमानित मूल्य 82 लाख रुपए, कुल मशरूका 87 लाख रुपए लगभग मशरूका जप्त किया गया है। उक्त आरोपियें के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 303(2), 317(5), खान खनिज अधिनियम धारा 4/21, मोटर यान अधिनियम धारा 39, 192, 146, 196, 66, 192 ए, 56, 192, 115, 190(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उपरोक्त समस्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राजेश पाण्डेय, सउनि अवनीश चौधरी, सोहागवती सिंह, आरक्षक प्रभात तिवारी एवं बृजेन्द्र सिंह का सराहनीय योगदान रहा है।

अंतरराज्यीय बाइक चोरी के दो चोर गिरफ्तार, 5 लाख रुपए की 8 बाइक जब्त

कोतवाली पुलिस ने चोरी की बाइक के मामले में पूछताछ में अन्य बाइक किए बरामद

विजय मत, अनूपपुर

कोतवाली थाना पुलिस द्वारा अंतर्राज्यीय बाइक चोर का खुलासा करते हुए 2 वाहन चोरो से 5 लाख रूपए की 8 बाइक जब्त किया है। थाना प्रभारी अरविन्द जैन ने बताया कि सहायक उपनिरीक्षक गोविन्द पनिका, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, महेन्द्र राठौर, खेमराज मार्को, आरक्षक अब्दुल कलीम की टीम ने मुखबिर की सूचना पर 34 वर्षीय मुकेश कुमार पटेल पिता उमेश पटेल निवासी पसला अनूपपुर से बिना नम्बर की चोरी की बाइक ले जाते हुए पकड़ा। पूछताछ की तो बाइक छत्तीसगढ़ से चोरी करना स्वीकार किया। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ करने पर 35 वर्षीय रमाशंकर विश्वकर्मा पिता हरिलाल विश्वकर्मा निवासी ग्राम बिजौड़ी अनूपपुर से चोरी की अन्य 7 बाइक एमपी18 एमए1646, सीजी16/3459, बिना नम्बर पांच बाइक कुल कीमत 5 लाख रूपए आंका गया है। पुलिस ने मामले में धारा 35(1) बीएनएसएस, 303(2), 317(2) बीएनएस में जब्ती की है। पुलिस आरोपियों से चोरी की जब्तशुदा बाइक के संबंध में पूछताछ कर रही है। जो उक्त बाइक जिला अनूपपुर एवं शहडोल सहित छत्तीसगढ़ के पेंड्रा, मनेन्द्रगढ़ एवं गौरेला से चोरी करना स्वीकार किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम को पुरूस्कृत किए जाने की घोषणा की है।

बैठक

निगरानी और ध्वस्तीकरण में तेजी के निर्देश, कलेक्टर बोले, सचुरेशन मोड पर संचालित होंगे आधार, आयुष्मान व ई-केवाईसी कैंप

जिले में अब तक 65 जर्जर शासकीय भवनों की पहचान

विजय मत, अनूपपुर

बारिश से पूर्व जिले में जर्जर भवनों को चिह्नित करने और जमींदोज के दिए निर्देश में सोमवार को कलेक्टर हर्षल पंचोली ने समय सीमा की बैठक में जीर्णशीर्ष भवनों की समीक्षा की। जिसमें चारो विकासखंड से जिले में अब तक 65 जर्जर शासकीय भवनों की पहचान की जा चुकी है, जिनके हटाने की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाएगी। फील्ड भ्रमण पर जाने वाले अधिकारियों को क्षेत्र में स्थित जर्जर भवनों का अवलोकन करें एवं संबंधित अधिकारी को सूचित करने निर्देशित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप जर्जर भवनों के स्वामियों को नियमित रूप से नोटिस जारी कर उन्हें यह समझाया जाए कि ऐसे भवनों को हटाना उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। इस दौरान कलेक्टर ने जिले में आधार, आयुष्मान कार्ड एवं ई-केवाईसी कैंप के प्रभावी संचालन के लिए सिचुरेशन मोड पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। आधार कैंप ई-गवर्नेंस के माध्यम से, आयुष्मान कार्ड कैंप स्वास्थ्य विभाग तथा ई-केवाईसी कैंप ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका के माध्यम से संचालित किए जाएं। यह सभी कैंप आगामी जुलाई माह तक संचालित किए जाएंगे। जबकि उनकी निगरानी के लिए लोक सेवा प्रबंधन विभाग की जिला प्रबंधक को निर्देश दिए है।

सीएम के आगमन पर तैयारी के निर्देश

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री के संभावित अनूपपुर दौरे के संबंध में चर्चा कर निर्माण कार्यों के भूमि पूजन, शिलान्यास एवं लोकार्पण की सूची की जानकारी प्राप्त की तथा सीइओ, जिला पंचायत को शिलान्यास एवं लोकार्पण के लिए पत्थरों की साइज एवं लेआउट फाइनल करने के निर्देश दिए। अमरकंटक स्थित ब्रिज, उसके इतिहास एवं महत्व तथा प्रस्तावित मूर्ति अनावरण कार्यक्रम से संबंधित आवश्यक बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वहीं जिला स्तर पर गठित विभिन्न विभागीय समितियों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में यह निर्देशित किया गया कि जिन समितियों की बैठकें मासिक, त्रैमासिक एवं छमाही रूप से आयोजित की जानी हैं, उनका आयोजन नियत समय-सीमा में किया जाए।

स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण पर सीइओ को निर्देश

कलेक्टर द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 के अंतर्गत जिले के सभी जपं सीइओ को निर्देशित किया गया कि ग्राम पंचायत स्तर पर बेहतर स्वच्छ वातावरण के निर्माण के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन करें। साफ-सफाई व्यवस्था, जनजागरूकता कार्यक्रम, स्लोगन, प्रचार-प्रसार से ग्रामों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के प्रयास किए जाएं। ग्राम स्तर पर स्थित डंपिंग यार्ड को सुव्यवस्थित किया जाए तथा उसका समुचित प्रबंधन किया जाए। नगरीय क्षेत्रों में रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते और अधिक प्रभावी बनाने निर्देशित किया।

शुभमन के लिए फायदेमंद होंगे अर्शदीप: पोंटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी गेंदबाजी करेंगे। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अर्शदीप ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है पर टी20 मैचों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बांए हाथ का गेंदबाज होना भी उन्हें अतिरिक्त लाभ देता है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

आईपीएल में पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा कि उन्होंने लीग के दौरान इस तेज गेंदबाज के स्तर को देखा है। अर्शदीप के काम करने के तरीके और तकनीकी ताकत पर भरोसा व्यक्ति किया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे में नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए फायदेमंद गेंदबाज साबित होंगे।

पोंटिंग ने कहा, मुझे उसे अच्छी तरह से जानने का अवसर मिला है। वह टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी है। वह टीम के साथ बहुत शांत रहता है, जो कि उसकी विशेषता है। यही बात हम सभी को पसंद है। जैसे ही दूसरे दिन टीम की घोषणा हुई, टेस्ट टीम, मैंने अपनी टीम बैठक में सबसे पहले यह तय किया कि मैं सबके सामने अर्शदीप को चुने जाने की बात स्वीकार करूं और सबके सामने उसे बधाई दूं। मुझे लगता है कि यह उसका अधिकार है। मुझे लगता है कि वह इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जसप्रीत बुमराह के सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए अनुपलब्ध होने की संभावना के संकेत दिए हैं। ऐसे में अर्शदीप पर और अधिक जिम्मेदारी आ जाएगी। पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि ड्यूक्स गेंद उनके लिए इंग्लैंड में भी सहायक रहेगी। मुझे लगता है कि बाएं हाथ का गेंदबाज होना भी अंतर पैदा करता है। पोंटिंग ने पिछले साल काउंटी क्रिकेट में इस गेंदबाज के कार्यकाल पर जोर दिया। पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप के दौरान केंट का प्रतिनिधित्व करते हुए अर्शदीप ने पांच डिवीजन 1 खेलों में 13 विकेट लिए थे। , जिसमें 3/58 का आंकड़ा उनका सर्वश्रेष्ठ रहा।

उत्साह

स्वीडन में पुरुष पोल वाल्ट मुकाबले में स्वीडन के मोंडो डुपलैंटिस नया विश्व रिकार्ड बनाने के बाद उत्साहित होते हुए।

गंभीर के पहले टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की संभावना बढ़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मां की तबियत पहले से कुछ ठीक है। ऐसे में गंभीर जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर 20 जून से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारती टीम अभी इंग्लैंड में अभ्यास कर रही। अभी टीम के कोच की जिम्मेदारी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण निभा रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड की यात्रा पर थे और टीम से मिलने के लिए इंग्लैंड गए थे। ये गंभीर के भारत लौटने से पहले ही उनकी योजना का हिस्सा थे। लक्ष्मण ने लंदन से लॉज़ेन की यात्रा की और इंट्रा-स्क्वाड (आपस में हुए) मैच में वह भारतीय खिलाड़ियों के साथ रहे। ये मैच भारत ए और राष्ट्रीय टीम के बची टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए खेला गया। इसमें लक्ष्मण का काम टीम पर नजर रखना और अपने अुनभवी साझा करना रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण की टीम के साथ कोई आधिकारिक भूमिका नहीं है। वह स्विट्जरलैंड गए थे और लंदन में लड़कों के साथ समय बिताने के लिए रुके थे। यह पहले से उनकी योजना में शामिल था, एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वह पहले टेस्ट से पहले निश्चित रूप से टीम में शामिल होंगे। उन्होंने अपनी मां की स्थिति के बारे में डॉक्टरों से बात की है। वह अभी भी आईसीयू में हैं हालांकि उनकी सेहत में पहले से सुधार है। ऐसे में कोच जल्द ही अपनी वापसी की योजना बनाएंगे।

इंग्लैंड को हराने भारतीय टीम में पर्याप्त प्रतिभा : क्लार्क

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाये जाने को सही कदम बताते हुए कहा है कि इंग्लैंड में जीत दर्ज करने के लिए उसके पास पर्याप्त प्रतिभा है। क्लार्क के अनुसार अब देखना होगा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बिना ये युवा टीम किस प्रकार खेलती है। 20 जून को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली पांच मैचों की इस सीरीज से टीम एक नये युग की ओर बढ़ेगी।

इस दौरे में शुभमन गिल को जहां कप्तानी मिली है वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उप-कप्तान है। इस सीरीज में टीम के पास युवा गेंदबाज हैं जिनपर अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की कमी पूरी करने का दबाव रहेाग। इसके अलावा मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी उसे बेहतर इस्तेमाल करना होगा। बुमराह इस सीरीज में केवल तीन मैच ही खेल पायेंगे। ऐसे में ये तय करना होगा कि कौन से मैचों में उन्हें उतारा जाये।

क्लार्क ने कहा, ठीक है, हां मैं उन्हें एक अवसर देता हूं, लेकिन यह इंग्लैंड जाने वाली टीम की अपेक्षा बहुत कम अनुभव वाली टीम है। रोहित और विराट का न होना बहुत बड़ी बात है। खिलाड़ी आते हैं, खिलाड़ी जाते हैं, लोग रिटायर होते हैं और खेल आगे बढ़ता है। इसलिए इसका मतलब यह नहीं है कि नया कप्तान भारत के लिए नुकसानदेह होगा। कोई रिटायर होता है तो किसी और को अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा, मेरे लिए मुख्य बात भारतीय गेंदबाजी आक्रमण है। इसलिए हम सभी जानते हैं कि बुमराह (जसप्रीत) पांच टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। तो, वह कौन से टेस्ट मैच खेलेंगे? क्या वह लगातार पहले तीन मैच खेलेंगे? आप यह सीरीज जीत जाते हैं, और आखिरी दो मैच मायने नहीं रखते। मुझे नहीं लगता कि ऐसा होने वाला है। मुझे लगता है कि पांच टेस्ट मैच खेलने के कारण उनके शरीर को नुकसान होगा। और फिर मैंने शमी (मोहम्मद) को भी टीम में नहीं देखा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई सीरीज में उनका न खेलना बहुत बड़ी बात थी और अगर वह और फिट बुमराह ऑस्ट्रेलिया में होते तो यह सीरीज बहुत अलग होती। साथ ही कहा कि भारत में बहुत प्रतिभा है। मुझे लगता है कि प्रतिभा के मामले में भारत हमेशा सुरक्षित हाथों में रहेगा। बस यह है कि इनमें से कुछ खिलाड़ी इस सीरीज में कितनी जल्दी अपनी छाप छोड़ पाते हैं ये देखना होगा। इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच खेलना कठिन होता है और ये बात उन्हें समझनी होगी।

आठ साल बाद पेरिस डायमंड लीग में उतरेंगे नीरज

पेरिस, एजेंसी

भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में स्वर्ण पदक जीतने के इरादे से उतरेंगे। नीरज पिछले साल ओलंपिक तैयारियों के कारण इस लीग से बाहर थे। उन्होंने अंतिम बार साल आठ साल पहले साल 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के तौर पर पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और तब वह 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। पेरिस डायमंड लीग के आयोजकों ने कहा है कि चोपड़ा और दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं। ये सभी 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं।

पीटर्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 23 मई को पोलैंड में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में चोपड़ा के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा ने इस सत्र की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में एक आमंत्रण प्रतियोगिता में खिताब जीतकर की थी। यह एफ श्रेणी की प्रतियोगिता थी जिसमें उन्होंने 84.52 मीटर का थ्रो किया।

स्टेन बोले, भारतीय टीम इंग्लैंड में दो ही मैच जीतेगी

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में केवल दो मैच ही जीत पायेगी। स्टेन के अनुसार मेजबान टीम भारत को 3-2 से हरा देगी। इस पूर्व तेज गेंदबाज का मानना है कि सभी पांच मैच बहुत करीबी होंगे पर कोई भी ड्रॉ नहीं रहेगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम लीड्स में 20 जून से शुरु हो रहे पहले मैच की तैयारियों में लगी है। इस बार टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी नहीं होंगे , जिससे भी भारतीय टीम को नुकसान होगा। ऐसे में इस सीरीज में भारतीय टीम में अधिकतर युवा और उभरते खिलाड़ी ही हैं जो हालातों से किस प्रकार तालमेल बना पाते हैं ये भी देखना होगा। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिनप में दक्षिण अफ्रीका की जीत के बाद स्टेन ने कहा सभी मैच करीबी होंगे पर सभी का परिणाम निकलेगा।

बिजनेस

सोना और चांदी का भाव 1 लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने की कीमतों में तेजी जारी है। एमसीएक्स पर सोमवार को सोने का भाव 1,00,357 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। जबकि चांदी में मामूली गिरावट आई है, लेकिन इसका भाव भी 1,06,432 रुपए प्रति किग्रा पर कारोबार कर रहा है। बाजार के जानकारों का कहना है कि जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इससे सोने को बल मिल रहा है। इससे सोने की मांग बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। हालांकि, आगे जियो पॉलिटिकल टेंशन कम होने के आसार हैं। इससे चांदी की भी मांग बढ़ेगी। इससे चांदी इस साल 1 लाख 30 हजार रुपए तक जा सकती है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सोना ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर कहते हैं।

अप्रैल के 0.85 प्रतिशत और मई 2024 के 2.74 प्रतिशत के मुकाबले कम

थोक मूल्य मुद्रास्फीति मई में घटकर 0.39 फीसदी रही

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बाजार में खाद्य वस्तुओं, विनिर्मित उत्पादों और ईंधन की कीमतों में मई महीने में नरमी देखने को मिली। थोक मूल्य मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) मई में 0.39 प्रतिशत रही, जो कि अप्रैल के 0.85 प्रतिशत और मई 2024 के 2.74 प्रतिशत के मुकाबले कम है। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि मुख्य तौर पर खाद्य उत्पादों, बिजली, अन्य विनिर्माण, रसायनों व रासायनिक उत्पादों, अन्य परिवहन उपकरणों और गैर-खाद्य वस्तुओं के विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में मई में 1.56 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जबकि अप्रैल में इनमें 0.86 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सब्जियों के दाम में भारी गिरावट आई।

सब्जियां मई में 21.62 प्रतिशत सस्ती हुईं जबकि अप्रैल में इनकी कीमतें 18.26 प्रतिशत घटी थीं। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति 2.04 प्रतिशत रही, जबकि अप्रैल में यह 2.62 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली में भी मई में मुद्रास्फीति 2.27 प्रतिशत रही जबकि अप्रैल में यह 2.18 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। खुदरा मुद्रास्फीति मई में घटकर छह वर्ष के निचले स्तर 2.82 प्रतिशत पर आ गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य कीमतों में नरमी रही। पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों में यह जानकारी मिली। आरबीआई ने मुद्रास्फीति में नरमी के बीच इस महीने नीतिगत ब्याज दर में 0.50 प्रतिशत की भारी कटौती कर इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया था।

सेंसेक्स 677 अंक चढ़कर 81,796 पर बंद, निफ्टी में भी 227 अंक की तेजी रही

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 16 जून को बढ़त रही। सेंसेक्स 677 अंक चढ़कर 81,796 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 227 अंक की तेजी रही, ये 24,946 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में तेजी और 3 में गिरावट देखने को मिली। आज एनर्जी, बैंकिंग, आईटी और FMCG शेयर्स में बढत रही। टेक महिंद्रा, ITC और इंफोसिस के शेयर करीब 2 प्रतिशत चढ़कर बंद हुए। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 477 अंक (1.26 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 38,311 पर और कोरिया का कोस्पी 52 अंक (1.80 प्रतिशत) चढ़कर 2,946 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 168 अंक (0.70 प्रतिशत) बढ़कर 24,060 के स्तर पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 11 अंक (0.35 प्रतिशत) चढ़कर 3,388 पर बंद हुआ।

13 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 1.79 प्रतिशत गिरकर 42,197 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक कंपोजिट 1.30 प्रतिशत गिरकर 19,406 पर और S&P 500 1.13 प्रतिशत गिरकर 5,976 पर बंद हुआ। पंप और मोटर बनाने वाली कंपनी ओसवाल पंप्स का IPO यानी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग 13 जून से ओपन हो गया है। निवेशक इसमें 17 जून तक अप्लाई कर सकते हैं। कंपनी के शेयर 20 जून को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। ओसवाल पंप्स IPO के जरिए कुल 1,387.34 करोड़ जुटाना चाहती है। इसमें से 890 करोड़ के नए शेयर (फ्रेश इश्यू) जारी किए जाएंगे और 497.34 करोड़ के शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत बेचे जाएंगे।

बैंकिंग और आईटी शेयर्स में रही ज्यादा बढ़त

बेलराइज इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2025 (QyFY25) की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे जारी किए हैं। QyFY25 में बेलराइज इंडस्ट्रीज का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 574.9 प्रतिशत बढ़कर 110 करोड़ हो गया, जो वित्तीय वर्ष 2024 (QyFY24) की चौथी तिमाही में 16 करोड़ था। ऑपरेशन से होने वाला रेवेन्यू, QyFY25 में 49 प्रतिशत बढ़कर 2,274.3 करोड़ हो गया, जो QyFY24 में 1,526.2 करोड़ था। इससे पहले शुक्रवार यानी 13 जून को शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 573 अंक गिरकर 81,118 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी करीब 169 अंक की गिरावट रही, ये 24,718 के स्तर पर बंद हुआ था।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया 6 पैसे की बढ़त के साथ ही 86.05 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने से रुपया सप्ताह के पहले कारोबारी ?दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.17 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.16 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 86.17 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट को दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.11 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 फीसदी की बढ़त के साथ 98.33 पर रहा।

टाटा मोटर्स के शेयरों में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट

मुंबई। कारोबारी सप्ताह का पहला दिन टाटा मोटर्स के शेयर में भारी गिरावट देखने को मिली है। इस दिन टाटा मोटर्स के शेयर पांच फीसदी नीचे गिए गए है। इनकी कीमत अब 673 रुपये पर पहुंच गई है। इस गिरावट का मुख्य कारण ब्रिटेन स्थित लक्जरी शाखा जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को माना जा रहा है। टाटा मोटर्स ने मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में 51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,470 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 17,407 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया था। परिचालन से इसका समेकित कुल राजस्व एक साल पहले की अवधि में 1,19,033 करोड़ रुपये के मुकाबले 0.4 प्रतिशत बढ़कर 1,19,503 करोड़ रुपये हो गया, जो अनुमान से कम है। सोमवार को सुबह कंपनी के शेयर एनएसई पर पिछले बंद भाव से 5 प्रतिशत कम होकर 677 रुपये पर कारोबार कर रहे थे।

आईफोन बनाने वाली भारतीय कंपनियों ने पार किया 20 फीसदी लोकल आंकड़ा

- अगले एक दशक के दौरान 35 से 40 फीसदी के पार पहुंचने का लक्ष्य

मुंबई, एजेंसी

ऐपल इंडिया के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैन्युफैक्चरिंग, पेगाट्रॉन टेक्नॉलजी इंडिया और फॉक्सकॉन होन हाई इंडिया आईफोन के हर वेरिएंट में अब आधिकारिक तौर पर 20 फीसदी से ज्यादा देसी मूल्यवर्द्धन कर रही हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि 20 फीसदी की सीमा को पार करना इन कंपनियों के लिए एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव है। पांच साल पहले तक इनमें से अधिकतर कंपनियों का स्थानीय पुर्जा विनिर्माण एवं घरेलू मूल्यवर्धन निचले एकल अंक में था। अब अगले एक दशक के दौरान 35 से 40 फीसदी के पार पहुंचने का लक्ष्य है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, विस्ट्रॉन, पेगाट्रॉन और फॉक्सकॉन अपने कारखानों में आईफोन की असेंबलिंग ही करती हैं मगर वे स्मार्टफोन के कुछ पुर्जों का परीक्षण भी करती हैं। ठेके पर मोबाइल फोन बनाने वाली कंपनियां जब आयातित बैटरी पैक, चार्जर, अडॉप्टर, मैकेनिक्स, डाई-कट पार्ट्स, माइक्रोफोन, रिसीवर, कीपैड, यूएसबी केबल आदि की असेंबली और परीक्षण देश के भीतर ही करती हैं तो सरकार उसे घरेलू मूल्यवर्धन की श्रेणी में रखने की इजाजत देती है। अब इन सभी कंपनियों को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को वरीयता) आदेश, 2017 के अनुसार दूसरी श्रेणी के स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं में शुमार कर लिया गया है। ठेके पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली ताइवान की इस कंपनी ने मई में अपनी भारतीय इकाई युझान टेक्नोलॉजी में 1.5 अरब डॉलर यानी करीब 12,800 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश किया था। वह तमिलनाडु में एक डिस्प्ले मॉड्यूल असेंबली इकाई स्थापित कर रही है।

जनसंवाद में पहुंचे पिता की गुहार पर भावुक हुए शिवराज, मंच से ही बेटे के इलाज के दिए निर्देश

विजय मत, ब्यूरो, सीहोर

बुधनी विधानसभा के ग्राम तालपुरा में उस समय मार्मिक दृश्य देखने को मिला, जब रविवार को कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान जनसंवाद कार्यक्रम में जनता से सीधे संवाद कर रहे थे। इसी दौरान एक गरीब और लाचार एक पिता बड़ी उम्मीद लिए शिवराज मामा के पास पहुंचा और रोते हुए बताया कि एक हादसे में उसके छोटे बेटे का हाथ कट गया है, जो भोपाल के एम्स में भर्ती है, लेकिन गरीबी के चलते वह इलाज नहीं करा पा रहा है।

इस मार्मिक क्षण में शिवराज सिंह चौहान ने पल भर भी देरी नहीं की, वहीं मंच से ही उन्होंने सीधे एम्स अस्पताल प्रबंधन को फोन किया और कहा इस बच्चे का इलाज बिना देरी और बिना रुकावट के होना चाहिए। जो भी खर्च हो, व्यवस्था हम करेंगे। चिंता मत करो,

'मामा है न'। उनकी यह बात सुनते ही वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें भर आईं। किसी ने यह सोचा भी नहीं था कि एक मंत्री, जो अब दिल्ली में हैं, आज भी गांव के आम आदमी के लिए इस तरह सीधे मदद का हाथ बढ़ा सकते हैं।

मामा की छवि कोई जुमला नहीं

शिवराज सिंह चौहान की राजनीति में 'मामा' की छवि कोई चुनावी जुमला नहीं, बल्कि जनता के प्रति उनकी लगातार दिखती संवेदनशीलता का प्रतीक बन गई है। बच्चों की पढ़ाई हो, बेटियों की शादी, किसानों की फसल या फिर किसी गरीब की बीमारी। उन्होंने कई बार इस बात को साबित किया है। रविवार को भी जनसंवाद के दौरान बुधनी तहसील के ग्राम तालपुरा में इसी प्रकार का दृश्य देखने को मिला। वे सिर्फ भाषण देने वाले नहीं, बल्कि ज़मीन पर काम करने वाले जननेता हैं। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर भी लोग शिवराज सिंह की सराहना कर रहे हैं। कई यूज़र्स ने लिखा 'ऐसे नेताओं की जरूरत है जो पीड़ित की आंखें पढ़कर मदद कर सकें। तालपुरा गांव में भी लोग कहने लगे नेता तो बहुत देखे, लेकिन 'मामा' जैसा कोई नहीं।

बुधनी के निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को बुधनी में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि लगभग 700 करोड़ की लागत से बन रहे इस मेडिकल कॉलेज में 750 बिस्तरों वाला सर्व सुविधायुक्त अस्पताल भी शामिल है। मेडिकल कॉलेज का 68 प्रतिशत काम पूरा हो गया है और जून 2026 तक पूरा हो जाएगा। यह सौगात केवल बुधनी के लिए नहीं है। यह ऐसा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल होगा, जिसका लाभ नर्मदापुरम सहित आसपास के पूरे क्षेत्र और जिलों को भी मिलेगा।

पौधारोपण

विजय मत, पचमढ़ी। पचमढ़ी में तीन दिवसीय 'सांसद-विधायक प्रशिक्षण वर्ग' के समापन अवसर पर छावनी परिषद स्थित अटल वाटिका में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियानांतर्गत पौधारोपण करते भाजपा के संगठन महामंत्री हितानन्द शर्मा।

न्यूज इन शॉर्ट

प्रधानमंत्री मोदी को साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया अभिनंदन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस द्वारा साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान "ग्रांड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ माकारिओस थर्ड" से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक अभिनंदन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया जाना 140 करोड़ भारतीयों के लिए गर्व एवं स्वाभिमान का विषय है। यह विश्व मित्र भारत का सम्मान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अमूल्य एवं अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए प्रदेशवासियों की ओर से भी प्रधानमंत्री मोदी का हार्दिक अभिनंदन किया है।

भोपाल में बंद ऋतु के दौरान मत्स्याखेट पर प्रतिबंध

भोपाल। कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा मछलियों की वंशवृद्धि और संरक्षण के उद्देश्य से 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) के रूप में घोषित किया है। इस दौरान समस्त नदियों और जलाशयों में किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। छोटे तालाब या अन्य जलस्रोत, जिनका किसी नदी से कोई संबंध नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं लाया गया है, इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त, अवैधानिक मत्स्य विर य, मत्स्य विनिमय या परिवहन करना भी प्रतिबंधित है। इस बंद ऋतु का पालन करने के लिए सभी मत्स्य समितियों, मत्स्य समूहों, निजी मत्स्यपालकों और जन साधारण को सूचित किया गया है। वे स्वयं किसी भी प्रकार का अवैधानिक मत्स्याखेट, मत्स्य विनिमय या परिवहन न करें और न ही इसमें अन्य को सहयोग दें। उल्लंघन करने पर अधिनियम के तहत एक वर्ष का कारावास या 5000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है।

नौ पार्षदों के उप निर्वाचन में 8823 मतदाता करेंगे मताधिकार का उपयोग, मतदान 7 जुलाई को

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 9 नगरीय निकायों में एक-एक पार्षद के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। उप निर्वाचन के लिये मतदान 7 जुलाई 2025 को होगा। उप निर्वाचन में 8 हजार 823 मतदाता मताधिकार का उपयोग करेंगे। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि नगर पालिका परिषद बैरसिया के वार्ड 7 में कुल 1486, नगरपालिका परिषद सिवनी के वार्ड 11 में 1946, नगर परिषद सांवेर के वार्ड 7 में 1386, गौतमपुरा के वार्ड 15 में 758, ककरहटी के वार्ड 13 में 389, बिछिया के वार्ड 13 में 576, खांड के वार्ड 8 में 375, न्यूटन चिखली के वार्ड 4 में 512 और नगरपरिषद भीकनगाँव के वार्ड 5 में 1395 कुल मतदाता है। यहां पर पार्षद पद के लिये उप निर्वाचन होगा। निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 16 जून से शुरू हो चुका है। नाम निर्देशन पत्र 23 जून, 2025 तक लिये जायेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 24 जून को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 26 जून है। इसी दिन अभ्यर्थियों को निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी किया जायेगा।

मप्र में मानसून की एंट्री, इस बार 106% बारिश का अनुमान

बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर के रास्ते पहुंचा

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में सोमवार दोपहर बाद मानसून ने प्रदेश में दस्तक दे दी। मानसून बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर के रास्ते प्रदेश में पहुंचा। इस बार मानसून 1 दिन लेट हो गया। पिछली बार 6 दिन की देरी से 21 जून को आया था। प्रदेश में मानसून के प्रवेश की सामान्य तारीख 15 जून है। चूंकि, इस बार देश में मानसून 8 दिन पहले ही आ गया था। इसलिए संभावना थी कि एमपी में यह जून के पहले सप्ताह में ही आ जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। महाराष्ट्र में एक ही जगह पर मानसून ठहरा रहा। इस वजह से यह आगे नहीं बढ़ा। दो-तीन दिन से मानसून की गतिविधियां फिर बढ़ीं। इसके बाद आज यह प्रदेश में छा गया। भारतीय मौसम विभाग ने जून से सितंबर यानी चार महीने तक प्रदेश में 104 से 106त्न तक बारिश होने का अनुमान जताया है। यानी, इस बार प्रदेश में 40 इंच या इससे अधिक पानी गिर सकता है। 27 मई को मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी किया था।

सिंगरौली में बिजली गिरने से दो की मौत

सिंगरौली के देवसर में सोमवार शाम बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई। दिनभर तेज धूप के बाद शाम तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। जियावान थाना प्रभारी कपूर त्रिपाठी ने बताया कि गुड़गांव में 65 वर्षीय महिला चपेट में आ गई। सुपेला गांव की रहने वाली अंतिम निशा की भी जंगल से लकड़ी बेचकर लौटते समय बिजली गिरने से मौत हो गई।

देश में 8 दिन पहले पहुंचा था मानसून

इससे पहले मानसून ने देश में भी 8 दिन पहले दस्तक दी थी। वहीं, 26 मई को मानसून महाराष्ट्र के मुंबई, पुणे समेत कई शहरों में 15 दिन पहले ही पहुंच गया था, जबकि यहां मानसून आने की सामान्य तारीख 10 जून तक है। हालांकि, इसके बाद मानसून एक ही जगह पर ठहर गया था। इस वजह से मध्यप्रदेश में आने में ज्यादा दिन लग गए। पहले मौसम विभाग ने 4 जून तक मानसून की एंट्री की संभावना जताई थी।

भोपाल समेत कई जिलों में तेज बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को 9 घंटे में छतरपुर जिले के नौगांव में सबसे ज्यादा सवा इंच पानी गिर गया। रीवा में भी 1 इंच से ज्यादा बारिश हुई। मंडला में आधा इंच बरसात हुई। धार, गुना, रतलाम, सागर, सतना, बालाघाट, खंडवा, बड़वानी, टीकमगढ़, अशोकनगर, हरदा में भी बारिश का दौर चला। भोपाल में शाम को मौसम बदल गया। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई।

बारिश के चलते तापमान गिरा

बारिश के चलते दिन के तापमान में खासी गिरावट हुई है। सोमवार को सिर्फ एक शहर नर्मदापुरम में पारा 40.2 डिग्री दर्ज किया। बाकी शहरों में तापमान 40 डिग्री से नीचे ही रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 37.5 डिग्री, इंदौर में 34.6 डिग्री, ग्वालियर में 37 डिग्री, उज्जैन-जबलपुर में 38 डिग्री सेल्सियस रहा। पचमढ़ी में सबसे कम 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शताब्दी वर्ष में संघ का विस्तार अभियान तेज, मध्य भारत में 600 नई शाखाएं

- 15 से 30 वर्ष के युवाओं पर विशेष फोकस, गांव-बस्ती तक पहुंचाने की रणनीति तैयार

विजय मत, भोपाल

अपने स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने मध्य भारत प्रांत में कार्य विस्तार की दिशा में तेज़ गति पकड़ ली है। संगठन अब खासतौर पर 15 से 30 वर्ष के युवाओं को जोड़ने और मंडल-बस्ती स्तर तक अपनी शाखाओं को पहुँचाने की योजना पर कार्य कर रहा है। पिछले एक वर्ष में संघ ने इस क्षेत्र में 600 नई शाखाओं की वृद्धि की है, जिससे कुल शाखाओं की संख्या 3674 हो गई है।

आरएसएस के मध्य भारत प्रांत कार्यवाह हेमंत सेठिया ने भोपाल के शारदा विहार में आयोजित प्रांतीय बैठक के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष के अवसर पर संघ ने संगठनात्मक गतिविधियों के साथ जनसंपर्क और सेवा कार्यों को भी अधिक व्यापक बनाने की रूपरेखा तय की है।

युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण पर केंद्रित कार्यक्रम

संघ अब विशेष रूप से 15 से 30 वर्ष के युवाओं को अपने साथ जोड़ने के लिए राष्ट्र निर्माण, सेवा गतिविधियों और "पंच परिवर्तन" (शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, सामाजिक और आध्यात्मिक परिवर्तन) पर केंद्रित आयोजन करेगा। हेमंत सेठिया ने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र का आधार है और आरएसएस का उद्देश्य इस शक्ति को सही दिशा देकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

बैठक में 550 कार्यकर्ता हुए शामिल

भोपाल में आयोजित बैठक में संघ के वे 550 कार्यकर्ता उपस्थित थे जिन्हें किसी न किसी संगठनात्मक जिम्मेदारी से जोड़ा गया है। इस बैठक में बीते एक वर्ष के कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी शताब्दी वर्ष के लिए क्रियान्वित की जाने वाली रणनीतियों पर चर्चा की गई।

संघ के विस्तार को लेकर व्यापक रणनीति

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यह पहल केवल संगठनात्मक विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के हर वर्ग तक पहुँचने और विशेष रूप से युवाओं को जागरूक करने का माध्यम भी है। शताब्दी वर्ष को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा और समाज निर्माण के एक नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है।

3674 शाखाएं और 2448 सेवा कार्य

प्रांत कार्यवाह सेठिया के अनुसार, वर्तमान में संघ मध्य भारत के 2343 स्थानों पर 3674 नियमित शाखाएं संचालित कर रहा है। इसके अलावा 625 स्थानों पर 'साप्ताहिक मिलन' भी आयोजित किए जा रहे हैं। संघ द्वारा चलाए जा रहे सेवा कार्यों की संख्या भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। बीते वर्ष प्रांत में 1795 सेवा कार्य चल रहे थे, जो अब 2448 हो चुके हैं – यानि 36% की वृद्धि। सेठिया ने बताया कि प्रांत में कुल 994 सेवा बस्तियाँ चिन्हित की गई हैं, जिनमें से अब 797 बस्तियाँ सेवा कार्ययुक्त हो चुकी हैं।

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने 'एक पेड माँ के नाम' अभियान के तहत 101 पौधे रोपे

- सूर्यवंशी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के उपरांत लगाए पौधे

विजय मत, भोपाल

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने अपने जन्मदिन पर ''एक पेड माँ के नाम'' अभियान के तहत पंडित खुशीलाल शर्मा, आयुर्वेद महाविद्यालय के निकट लाल ग्राउंड में 101 पौधे रोपे। सूर्यवंशी ने अहमदाबाद में हुई हृदय विदारक दुर्घटना के कारण अपने जन्मदिन पर किसी प्रकार का सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित नहीं करने की अपील भी अपने शुभ चिंतकों से की और पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्पित रहते हुए अपने शुभ चिंतकों के साथ पौधरोपण किया।

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने सोमवार को अपने जन्मदिन पर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के उपरांत अपने शुभ चिंतकों के साथ पौधरोपण किया। श्री सूर्यवंशी ने पर्यावरण,प्रकृति के संरक्षण के प्रति संकल्प को और अधिक सशक्त करते हुए वृक्ष लगाओ जीवन बचाओं की अवधारणा को मूर्तरूप देते हुए ''एक पेड माँ के नाम'' अभियान के तहत पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय के निकट लाल ग्राउंड में विभिन्न प्रजातियों के 101 पौधे लगाए।

18 जून को इंदौर आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, कलेक्टर पहुंचे आयोजन स्थल

इंदौर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का दो दिवसीय इंदौर प्रवास कार्यक्रम 18 एवं 19 जून को प्रस्तावित है। राष्ट्रपति मुर्मू के इस महत्वपूर्ण दौरे को लेकर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में कलेक्टर आशीष सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, एडीएम रोशन राय, राजेन्द्र रघुवंशी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर सिंह ने सर्वप्रथम रेसीडेंसी पहुंचकर राष्ट्रपति के लिए की जाने वाली व्यवस्थाओं आवास, सत्कार, भोजन आदि की समीक्षा की। इसके उपरांत वे एयरपोर्ट पहुंचे, जहां उन्होंने आगमन एवं प्रस्थान की व्यवस्थाओं के साथ ही सुरक्षा, स्वागत एवं परिवहन व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप देहरादून-2025

कराते अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते 3 स्वर्ण पदक, मंत्री सारंग ने दी विजेताओं को बधाई

विजय मत, भोपाल

देहरादून में 11 से 15 जून तक आयोजित के-10 नेशनल कराते चैम्पियनशिप में राज्य कराते अकादमी के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण पदक अर्जित है। चैम्पियनशिप के जूनियर एवं सब-जूनियर वर्ग में अकादमी के 7 खिलाड़ियों ने भागीदारी की। प्रतियोगिता में अकादमी की खिलाड़ी धरकन शाह, कल्याणी कोडोपे एवं रूशा तांबत ने स्वर्ण पदक अर्जित कर प्रदेश को गौरन्वित किया। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनकी सराहना की है।

प्रतियोगिता के 53 किलोग्राम भार वर्ग की जूनियर स्पर्धा में अकादमी के खिलाड़ी धरकन शाह ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। धरकन ने पहले राउंड में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी को 8-0 शिकस्त दी। दूसरे राउंड में राजस्थान के खिलाड़ी से 7-3 के अंतर से मुकाबला जीता। तीसरे एवं चौथे राउंड में क्रमशः हरियाणा एवं अरूणाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को 8-0 के अंतर से परास्त कर फायनल में प्रवेश किया। फायनल राउंड में धरकन शाह ने बिहार के खिलाड़ी को 8-0 से एकतरफा परास्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया।

चैम्पियनशिप के 66 किलोग्राम भार वर्ग की जूनियर स्पर्धा में अकादमी की खिलाड़ी कल्याणी कोडोपे ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। कल्याणी ने पहले राउंड में महाराष्ट्र की खिलाड़ी को 9-0 से परास्त किया। दूसरे राउंड में राजस्थान की खिलाड़ी को 8-0 एवं तीसरे राउंड में दिल्ली की खिलाड़ी को 8-0 से शिकस्त दी।

खास-खबर

बीएमएचआरसी में शुरू हुई जीरो बिल सुविधा

इमरजेंसी में हर मरीज का पहले 24 घंटे का ट्रीटमेंट फ्री, अब कोई इलाज से वंचित नहीं रहेगा

विजय मत, भोपाल

भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में कोई मरीज इलाज से वंचित नहीं रहेगा। बीएमएचआरसी ने जीरो बिल नीति लागू कर दी है। जिसके तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले कार्डधारकों और आर्थिक रूप से असहाय मरीजों को पूरी तरह मुफ्त इलाज मिलेगा। इसके अलावा इमरजेंसी में आने वाले किसी भी मरीज के लिए पहले 24 घंटे की चिकित्सा सेवाएं भी फ्री रहेंगी।

बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद से अनुमति मिलने के बाद इस संबंध में सोमवार को आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं। यह फैसला उन हजारों मरीजों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा जो आर्थिक तंगी के कारण अक्सर बेहतर इलाज से वंचित रह जाते थे।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक बीपीएल कार्ड धारकों से केवल 10 रुपए का पंजीयन शुल्क लिया जाता था। वार्ड में भर्ती होने पर कोई शुल्क नहीं लगता था। हालांकि, जांच, ऑपरेशन और अन्य चिकित्सकीय सेवाओं के लिए उनसे शुल्क लिया जाता था। लेकिन, नई जीरो बिल नीति के लागू होने से बीपीएल मरीजों को सभी चिकित्सकीय सेवाएं, चाहे वह पंजीयन हो, जांच हो, ऑपरेशन हो बिना किसी शुल्क के मुहैया कराई जाएंगी।

यह नीति सिर्फ बीपीएल कार्डधारकों तक ही सीमित नहीं है। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा, यदि कोई मरीज बीपीएल कार्ड प्रस्तुत नहीं कर पाता है, लेकिन वह वास्तव में निर्धन और असहाय है, तो उसकी स्थिति की जांच के बाद उसके इलाज पर आने वाला खर्च भी माफ किया जा सकता है। इस व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए बीएमएचआरसी में एक मेडिकल सोशल वेलफेयर यूनिट का गठन किया है। यह यूनिट ऐसे मरीजों की आर्थिक स्थिति का आकलन करने और उन्हें आयुष्मान भारत योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़ने में मदद करेगी। जिससे उनका इलाज बिना किसी रुकावट के हो सके।

सिंघार बोले-आरएसएस के लोग सिर्फ धर्म की बातें करते हैं, कहा-

क्या पीएम मोदी से सवाल करेंगे कि किसान की आय दोगुनी हुई या नहीं

विजय मत, भोपाल

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि आरएसएस के मुख्यालय नागपुर में देश का झंडा लगाने में 50 साल क्यों लग गए? मैं आरएसएस के सरसंघ चालक से पूछना चाहता हूं कि यहां के एससी-एसटी ओबीसी नेता को तवज्जो क्यों नहीं दी जाती। इस वर्ग को सरसंघ चालक क्यों नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि आरएसएस के पदाधिकारियों से कहना चाहता हूं कि आरएसएस सिर्फ धर्म की बात करती है। डिवाइड और रूल की बात करती है। चुनाव में जय-जय सियाराम की बात करते हैं। धर्म में लोगों को बांटेंगे।

पचमढ़ी में बीजेपी विधायकों और सांसदों के प्रशिक्षण वर्ग को लेकर नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने बीजेपी के साथ आरएसएस पर भी हमला बोला। सिंघार ने कहा कि जल जीवन मिशन में घोटाला हुआ है। आम जनता को पानी नहीं मिल रहा तो क्या आरएसएस पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव से पूछेगी कि आखिर क्यों पानी नहीं मिल पा रहा है।

किसान की आय दोगुनी हुई या नहीं, युवाओं को नौकरी मिली या नहीं। मध्यमवर्गीय परिवार जिनके उद्योग बंद हो रहे हैं। क्या आरएसएस इस पर सवाल करेगी? सिंघार ने कहा कि आरएसएस सिर्फ धर्म की बात करती है। डिवाइड और रूल की बात करती है। चुनाव में जय जय सियाराम की बात करते हैं। धर्म में लोगों को बांटेंगे। मैं कहता हूं कि धर्म में सबको आस्था है। विकास की बात कीजिए। महंगाई रोकने की बात कीजिए। शिविर से कोई नई बात निकले तब तो बात है, अन्यथा धर्म का पाठ पढ़ाकर भेज देंगे। विधायक और सांसदों के लिए सद्बुद्धि शिविर है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित, संपादक-सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला मो.-8889977997
आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2015/66998, (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। Email-vijaymat.bhopal@gmail.com